

उज्बेकिस्तान में ग़ैंड वेलकम से पीएम मोदी गदगद

शास्त्री स्मारक और महात्मा गांधी केंद्र भी जाएंगे पीएम मोदी

उज्बेकिस्तान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (29 अगस्त, 2026) को अपने दो दिवसीय राजकीय दौर पर उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद पहुंचे हैं। ताशकंद पहुंचने पर खुद उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव ने एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी से गले लगाकर स्वागत किया। राष्ट्रपति मिर्जियोयेव की तरफ से किए गए इस ग़ैंड वेलकम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय राजकीय दौर के दौरान उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक करेंगे। इस बेहद महत्वपूर्ण बैठक के दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति मिर्जियोयेव दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों और रणनीतिक साझेदारी को और ज्यादा मजबूत करने की दिशा में विस्तृत रूप से उच्च स्तरीय बातचीत करेंगे। इसके अलावा, दोनों देशों के नेता व्यापार, निवेश, रक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, ऊर्जा, शिक्षा और लोगों के आपसी जुड़ाव जैसे क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा करेंगे और भविष्य में किए जाने वाले कामों और सहयोगों को लेकर एजेंडा तय करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री

वहीं, पीएम मोदी ने ताशकंद स्थित होटल में भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात की, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी काफी संख्या में शामिल रहे। भारतीय समुदाय के लोगों ने पीएम मोदी के स्वागत में जमकर मोदी.. मोदी.., वंदे मातरम और भारत माता की जय के जयघोष लगाए। इतना ही नहीं, भारतीय समुदाय की महिलाओं ने पीएम मोदी से हाथ पर राखी भी बांधी।



ताशकंद में स्थित शास्त्री स्मारक और ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज स्थित महात्मा गांधी केंद्र का भी दौरा करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि ये दोनों देशों के बीच के मजबूत सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सभ्यतागत और जनस्तरीय संबंध लंबे वक्त से चले आ रहे हैं। अपनी दो दिवसीय ताशकंद यात्रा पर जाने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यात्रा के दौरान मध्य एशिया के साथ भारत के रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के साथ ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, डिजिटल कनेक्शन, डिफेंस और एनर्जी समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी।

नेपाल बाढ़: शशि थरूर ने की पीएम मोदी की तारीफ



काठमांडू नेपाल त्रासदी में भारत ने जिस तरह से तत्परता दिखाई है, उसको लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को लेटर लिखते हुए मौजूदा केंद्र सरकार की तारीफ की है। उन्होंने एक्स पर इस पोस्ट को जारी करते हुए, विदेश मंत्री के सोशल मीडिया हैंडल को भी टैग किया है। शनिवार (30 अगस्त) को लिखे पत्र में कहा कि नेपाल में आई भयानक बाढ़ पर भारत की प्रतिक्रिया तेज और असरदार रही है। पीएम मोदी ने काठमांडू से तुरंत संपर्क किया। राहत सामग्री, मेडिकल टीमों और टनल रेस्क्यू एक्स्पर्ट्स की मदद से राहत कार्यों में बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि त्रिशूली-1 में भारतीय मजदूरों को बचाना एक बड़ी कामयाबी थी। परिवारों ने यह सब देखा है। कई लोगों ने मुझे कहा है कि मैं व्यक्तिगत रूप से आपका आभार व्यक्त करूँ। मुझे ऐसा करने

में खुशी हो रही है। इसके अलावा कांग्रेस ने रेस्क्यू में तेजी लाने के लिए कई सुझाव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि सैकड़ों लोग अभी भी फंसे हुए हैं। रेस्क्यू कार्य के लिए समय तेजी से कम हो रहा है। पूरी NDRF टीम, आर्मी टास्क फोर्स इधर, उन्होंने रेस्क्यू कार्यों के लिए NDRF की पूरी टीम और उनके उपकरणों को तुरंत भेजने और तैनात करने की मांग की। उन्होंने पासांग ल्हामू हाइवे को फिर से खोलने के लिए अर्थ मूविंग इक्विपमेंट के साथ आर्मी इंजीनियर टास्क फोर्स को तैनात करने का भी सुझाव दिया। थरूर ने साथ ही सुदूर इलाकों तक पहुंचने के लिए भारतीय वायुसेना के भारी भरकम हेलीकॉप्टर तैनात करने और मलबे वाले इलाकों का नक्शा बनाने लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार, थर्मल इमेजिंग, स्निफर डॉग स्कवाड और खास सैटेलाइट टास्किंग का इस्तेमाल करने का सुझाव भी दिया है।

त्रिशूली नदी में बहकर आए बैंक लॉकर से पैसे लूटने वाले 29 गिरफ्तार, 58 लाख बरामद



रखे कैश को लेने के लिए लोगों में होड़ मच गई। पुलिस ने इस मामले में 29 लोगों को गिरफ्तार किया है और उनसे 92 लाख नेपाली रुपये से ज्यादा की रकम बरामद की है; यह रकम भारतीय मुद्रा में लगभग 58 लाख रुपये के बराबर है।

यह घटना तब हुई जब बाढ़ का पानी रसुवा से एक बैंक लॉकर बहा ले गया। यह लॉकर बहते हुए धाडिंग जिले की गल्छी रूरल म्युनिసిपैलिटी-4 में बेलखुखोला के पास त्रिशूली नदी के किनारे जा पहुँचा। जब लॉकर मिला, तो लोगों ने उसमें से कैश निकालना शुरू कर दिया, जिससे पैसे के लिए होड़ मच गई। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में 29 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों से कुल 92,68,505 नेपाली रुपये (भारतीय मुद्रा में लगभग 58 लाख रुपये) बरामद किए गए।

विधायक दल तय करता है कि सीएम कौन बनेगा- केशव प्रसाद मोर्य



यूपी यूपी में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सियासी हलचल बढ़ी हुई है। इस बीच बीजेपी नेता और प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मोर्य ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं भी मुख्यमंत्री बनना चाहता हूँ, हो सकता है अगली बार आप सीएम के रूप में देखे या किसी और रूप में देखें। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि पार्टी का नेतृत्व तय करेगा कि कौन मुख्यमंत्री बनेगा। 'मेरी भी महत्वकांक्षा उठ बनने की, लेकिन मेरे चाहने से नहीं होगा' एबीपी न्यूज के कार्यक्रम में जब उनसे पूछा गया कि केशव प्रसाद मोर्य कब तक डिप्टी सीएम बने रहेंगे, आपकी महत्वकांक्षा क्या है? इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा, 'मेरी भी महत्वकांक्षा मुख्यमंत्री बनने की है लेकिन सिर्फ मेरे चाहने से नहीं होगा। मेरी पार्टी का नेतृत्व तय करेगा। पार्टी का

विधायक दल तय करता है। पहले हमारा लक्ष्य प्रचंड बहुमत लाना है। हमारी पार्टी में सामान्य से सामान्य कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाता है।" विधायक दल तय करता है कि उत कौन बनेगा- केशव प्रसाद मोर्य केशव प्रसाद मोर्य ने आगे कहा, "हमलोग ये लक्ष्य लेकर चुनाव लड़ रहे हैं कि जिस तरह से 2017 में बहुमत आया था, ठीक उसी तरह 2027 में हमें प्रचंड बहुमत लाएँ, बहुमत लाने के बाद विधायक दल तय करता है कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। केन्द्रीय पर्यवेक्षक आते हैं और वो फीडबैक लेते हैं और फिर ऐलान करते हैं। ऐसा नहीं है कि मेरे मन में कोई चाहत नहीं है कि मैं मुख्यमंत्री न बनूँ." केशव प्रसाद कई मौकों पर आगामी चुनाव को लेकर पार्टी की बड़ी जीत का दावा कर चुके हैं। उनका मानना है।

अर्जेंटीना ने 9 बार की चैंपियन नीदरलैंड को हराकर जीता खिताब



2002 और 2010 में भी खिताब जीत चुकी है, नीदरलैंड्स के आम्स्टरलवेन में हुए मुकाबले में दोनों टीमों की तरफ से 1-1 गोल देखने को मिला। नीदरलैंड के लिए जैनसेन थिब्यो ने 30वें मिनट पर, जबकि अर्जेंटीना

के लिए ग्रनाटो मारिया ने 54वें मिनट पर गोल किया। मुकाबले का पहला क्वार्टर गोल रहित रहा। दूसरे क्वार्टर में नीदरलैंड ने मैच का पहला गोल दाला। इसके बाद तीसरा क्वार्टर भी गोल के बगैर गुजर। चौथे व आखिरी क्वार्टर में

सज्जन कुमार को श्रद्धांजलि देने वाले 3 BJP MPs को लगाई



नई दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को दिल्ली के तीन सांसदों को फटकार लगाई। इन सांसदों ने 1984 के सिख-विरोधी दंगों के मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार की मौत के बाद उनके परिवार से मिलकर शोक व्यक्त किया था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नितिन नवीन ने कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी और योगेंद्र चंदोलिया को तलब किया और

20 अगस्त को निधन हो गया। शनिवार को नई दिल्ली में उनकी शोक सभा आयोजित की गई। बीजेपी के इन तीन सांसदों के दौरे की आलोचना बीजेपी नेता एचएस फूलका ने की, जो इस साल अप्रैल में ही पार्टी में शामिल हुए थे। 1984 के सिख-विरोधी दंगों के पीड़ितों के लिए प्रमुख वकील रहे फूलका ने कुमार के घर जाकर शोक व्यक्त करने वाले इन तीन सांसदों पर आपत्ति जताई। उन्होंने तीन सांसदों द्वारा सामूहिक

'हिंदू सोचे कि भारत में मुस्लिम न रहें, तो वह हिंदू नहीं',

न्यूयॉर्क में बोले मोहन भागवत



न्यूयॉर्क राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में आयोजित 'एक दुनिया, एक मानवता' सम्मेलन में बड़ा और कड़ा संदेश दिया। भागवत ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति यह सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह खुद को 'हिंदू' कह ही नहीं सकता। दुनिया भर के धर्मगुरुओं के बीच अपनी बात रखते हुए पर प्रमुख ने साफ किया कि हिंदू होने की पहली शर्त ही यह मानना है कि सभी धर्मों के रास्ते एक ही ईश्वर तक जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इंसानों में कोई भेद नहीं हो सकता और हर व्यक्ति का सम्मान ही मानवता का सच्चा आधार है। 'धर्म अलग हो सकते, लेकिन मानवता एक' उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि मैं ऐसे समाज के लिए काम कर रहा हूँ, जो परंपरागत रूप से यह कहता है कि धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है। मानवता उसी सत्य की उपज है।

इसलिए मानवता एक है। सत्य एक है। उसे अलग-अलग तरीकों से बताया और समझाया जाता है। हम मनुष्य अपने अनुभवों और अपनी सीमाओं के कैदी हैं। अगर समाज को एकजुट नहीं करते तो भटकाव आता है: भागवत इसके अलावा उन्होंने कहा कि अगर हम समाज को एजुकेट नहीं करते हैं, तो भटकाव आता है। किसी तरह इतिहास में ऐसा हुआ। मैं उस पल को नहीं बता सकता। उसके बाद हमारा समाज, हमारा देश, विदेशी हमलों का टारगेट बन गया बहुत सी चीजें खो गईं। ईश्वर तक पहुंचाने के लिए रीति रिवाजों को अनुशासन जरूरी भागवत ने कहा कि दुनिया में कई

धर्म हैं। आज दुनिया में धर्मों की पहचान मुख्य रूप से रीति रिवाजों से होती है। किसी धार्मिक अनुशासन को अपनाने और ईश्वर को पहुंचाने के उस रास्ते चलने के लिए रीति रिवाजों का यह अनुशासन भी जरूरी है। ग्लोबल आउटरीच दौरे का पहला चरण है: मोहन भागवत भागवत इस हफ्ते की शुरूआत में न्यूयॉर्क अपने दौरे पर पहुंचे हैं। यहाँ उनके तीन देशों (अमेरिका, कनाडा, और यूनाइटेड किंगडम) के ग्लोबल आउटरीच दौरे का पहला चरण है. यह संगठन की शताब्दी वर्ष की गतिविधियों के तहत विदेशी स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर हो रहा है।

विकास विरोधी बांट रहे समाज- योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर जाति, क्षेत्र और के नाम पर लोगों को बांटने का आरोप लगाया। गोरखपुर में एक कार्यक्रम में योगी ने कहा, बीआरडी मेडिकल कॉलेज (गोरखपुर में) को उच्चिकृत किया गया है और अब यह सुपर-स्पेशियलिटी सुविधाएं प्रदान करता है। एक क्षेत्रीय वायरोलॉजी केंद्र की स्थापना की गई है। गोरखपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान चालू हो गया है। इसके अलावा, देवरिया,कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच और गोंडा में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं और लोग इसका लाभ उठा रहे हैं। योगी ने कहा,ह्वाहाएक अच्छी सरकार आती है और अच्छा प्रदर्शन करती है। इसलिए मैं कहता हूँ कि यह काम इसलिए संभव हो सका क्योंकि यह राष्ट्रवाद और राष्ट्र प्रथम पर आधारित है, जहाँ राष्ट्र सर्वोपरि है। इसी भावना से प्रेरित होकर और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने अपना काम शुरू किया। उन्होंने कहा, जो लोग इस विकास को नापसंद करते हैं, जो इन कल्याण मंडपों (सामुदायिक

हॉल), इन चौड़ी सड़कों, युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों और इस उत्सव के माहौल को नापसंद करते हैं- वे एक बार फिर काम कर रहे हैं। लोगों को जाति, क्षेत्र और के आधार पर विभाजित करने में लगे हुए हैं। योगी ने कहा, हमें उनसे सावधान रहने की जरूरत है। हमें उन पर भरोसा नहीं करना चाहिए। वे वास्तव में डकैतों का एक गिरोह हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वे लूटपाट करते हैं। उन्होंने राज्य और देश को लूटा और अराजकता फैलाई। मुख्यमंत्री 130 करोड़ रुपये से अधिक की 170 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए गोरखपुर में थे। उन्होंने कहा,वे गरीबों और व्यापारियों की जमीन को जब्त करनो अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानते थे। हालांकि, यह डबल इंजन भाजपा सरकार गरीबों पर अत्याचार नहीं होने देगी, न ही दलितों या हाशिए पर रहने वालों का शोषण होने देगी। यह किसी को भी किसी बेटी या किसी व्यापारी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं देगी, और जो कोई भी रक्षा करने का प्रयास करेगा उससे इस डबल इंजन सरकार द्वारा कानून के दायरे में सख्ती से निपटा जाएगा।

किचन में मिलावट का खेल !

एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स और लालजी गोधू पर एफएसएसआई क का कड़ा एक्शन



नई दिल्ली भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने लैब टेस्ट में घटिया पाए जाने के बाद एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स और लालजी गोधू की हींग की बिक्री पर अस्थायी रोक लगा दी है। कंपनियों को नियमों के उल्लंघन के बारे में सफाई देने और यह बताने के लिए एक्शन प्लान जमा करने का निर्देश दिया गया है कि वे तय मानकों का पालन कैसे करेंगी। उन्हें बाजार में मौजूद घटिया प्रोडक्ट्स को खुद से वापस मंगाने की सलाह भी दी गई है। जब तक वे नियमों का पालन नहीं करतीं, तब तक यह रोक लागू रहेगी। FSSAI ने एवरेस्ट के एग करी मसाला, चिकन मसाला और गरम मसाला में भी नियमों का पालन न किए जाने की बात पाई

है। हालांकि, इन तीनों प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। त्रहरअकने एक बयान में

कहा कि ग्राहकों की शिकायत के बाद उसने हींग के बड़े ब्रांड्स की निगरानी शुरू की।

मुंबई में कंपनियों की मैनुफैक्चरिंग यूनिट्स और गुजरात के उमरगांव में एवरेस्ट की यूनिट से लिए गए सैंपल तय मानकों पर खरे नहीं उतरे। मौजूदा नियमों के अनुसार, कंपाउंडेड हींग में कम से कम 5 प्रतिशत अल्कोहल में घुलनशील अर्क होना चाहिए। फूड सेफ्टी रेगुलेटर ने बताया कि जाँच में सैंपल में केवल 0 से 3 प्रतिशत ही अर्क मिला, जिससे पता चलता है कि बनाने वाले जरूरत से 30 से 40 प्रतिशत कम कच्ची हींग का इस्तेमाल कर रहे थे। लालजी गोधू यूनिट से इकट्ठा की गई कच्ची हींग की छह किस्मों में 15 से 32 प्रतिशत स्टार्च पाया गया, जो कि तय अधिकतम सीमा 1 प्रतिशत से कहीं ज्यादा है।

घर के भीतर फंदे से लटका मिला शव, मायके वालों ने दहेज हत्या का लगाया आरोप

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर जिलाधिकारी सख्त

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और शिकायतकताओं से संपर्क नहीं करने पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कई अधिकारियों पर नाराजगी जताई। शनिवार को संगम सभागार में हुई समीक्षा बैठक में उन्होंने विद्युत, लोक निर्माण विभाग और जल निगम समेत अन्य विभागों की शिकायतों और प्राप्त फीडबैक की समीक्षा की।

विद्युत विभाग में असंतुष्ट फीडबैक की संख्या अधिक मिलने और शिकायतकताओं से बातचीत नहीं करने वाले अधिशासी अभियंताओं के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए गए। लोक निर्माण विभाग के उन अधिशासी अभियंताओं से स्पष्टीकरण मांगा गया, जिनके क्षेत्र में असंतुष्ट फीडबैक और शिकायतकताओं से संपर्क नहीं करने के मामले अधिक पाए गए। जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता के बैठक में अनुपस्थित रहने और विभाग से संबंधित शिकायतों में असंतुष्ट फीडबैक अधिक मिलने पर भी जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए स्पष्टीकरण तलब किया।



जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण न किया जाए, बल्कि कार्रवाई से पहले शत-प्रतिशत शिकायतकताओं से संपर्क कर उनकी समस्या और फीडबैक लिया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायत का समाधान संभव नहीं होने की स्थिति में शिकायतकर्ता को स्पष्ट कारण बताते हुए निम्नानुसार प्रकरण का निस्तारण किया जाए।

उन्होंने उपजिलाधिकारियों और तहसीलदारों को भी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण करने तथा शिकायतकताओं से बातचीत

कर उनकी संतुष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि आईजीआरएस शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लंबित शिकायतों को प्राथमिकता से निस्तारित कर पोर्टल पर समय से रिपोर्ट अपलोड करने और बार-बार आने वाली शिकायतों के मूल कारणों की पहचान कर स्थायी समाधान करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

छह लेन पुल का काम धीमा मिलने पर डीएम नाराज, अक्टूबर तक पूरा करने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। निमाणाधीन छह लेन पुल के काम में अपेक्षित तेजी नहीं मिलने पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने नाराजगी जताई। शनिवार को पुल का स्थलीय निरीक्षण करते हुए उन्होंने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के परियोजना निदेशक नुसरत उल्ला खान से कार्य की धीमी प्रगति को लेकर स्पष्टीकरण तलब किया। डीएम ने हर हाल में अक्टूबर तक पुल का निर्माण गुणवत्तापूर्वक पूरा कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य की मौजूदा स्थिति की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को काम में तेजी लाने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्माण में पर्याप्त श्रमशक्ति और



संसाधन लगाए जाएं। साथ ही दो पालियों में काम कराकर परियोजना को निश्चित समयसीमा में पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को नियमित निगरानी के साथ शेष कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला विकास अधिकारी जीपी कुशवाहा समेत कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. ने मंडल के चारों जिलों की बेसिक शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए विद्यालयों की मूलभूत सुविधाएं 15 सितंबर तक दुरुस्त कराने और बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल नामांकन के आंकड़ों पर ध्यान न देकर बच्चों की वास्तविक उपस्थिति और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित किया जाए।

गांधी सभागार में हुई बैठक में मंडलायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन विद्यालयों में बेंच-डेस्क नहीं हैं या दरी-मैट खराब हैं, वहां तत्काल व्यवस्था की जाए। जलभराव, बिजली कनेक्शन और संपर्क मार्ग की समस्या वाले विद्यालयों की जिलेवार सूची 24 घंटे में उपलब्ध कराने को कहा। पीएम श्री योजना के तहत निर्धारित, पूर्ण और लंबित कार्यों की फोटो सहित रिपोर्ट भी



24 घंटे में मांगी गई। डीबीटी के तहत पात्र विद्यार्थियों के अभिभावकों के खातों में वर्दी, जुते-मोजे, स्वेटर, बैग और स्टेशनरी के लिए 1,200 रुपये का शत-प्रतिशत हस्तांतरण सुनिश्चित करने तथा 15 दिनों में पुस्तकों और वर्दी की उपलब्धता की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने विद्यालयों में औचक निरीक्षण के लिए चेकलिस्ट तैयार करने, शिक्षकों की उपस्थिति

कार्यक्रम के तहत स्कूल से बाहर बच्चों और निर्माण स्थलों पर रहने वाले श्रमिकों के बच्चों को भी चिन्हित कर विद्यालयों से जोड़ने पर जोर दिया गया।

ऑपरेशन कायाकल्प के तहत बाउंड्रीवॉल, दिव्यांग शौचालय, फर्नीचर समेत सभी जरूरी सुविधाएं पूरी कराने और सितंबर के अंत तक प्रत्येक विद्यालय में कम से कम एक दिव्यांग शौचालय सुनिश्चित करने को कहा गया। निपुण भारत मिशन के तहत बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार और मध्यम भोजन की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

मंडलायुक्त ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ कामजी आंकड़ों तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंचे। बेहतर सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित उपस्थिति और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

70वीं जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित



जारी। प्रयागराज जवाहर लाल नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज जारी, प्रयागराज में दिनांक 29/08/2026 को 70वीं तहसील स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बारा तहसील के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा संघ के जिला अध्यक्ष श्री अनुज कुमार पांडे तथा विशिष्ट अतिथि शिवाजी इंटर कॉलेज पटेल नगर के प्रधानाचार्य श्री विनोद सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संयोजक प्रधानाचार्य श्रीमती सविता मिश्रा एवं मुख्य अतिथि श्री अनुज कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर पुष्पमाला पहनाकर एवं दीप प्रचलन के साथ किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव (श्री ईश्वर दीन छेदी लाल इंटर कॉलेज, जसरा), श्री अरविंद गौतम (राजा कमलकर इंटर कॉलेज, शंकरगढ़), श्री गालिब अंसारी (हरिशंकर पांडे इंटर कॉलेज, लालपुर), श्री दिनेश यादव (गांधी शांति निकेतन इंटर कॉलेज, गौहनिया) तथा श्री वीरेंद्र कुमार कुशवाहा एवं श्री ओम राजन यादव (शिवाजी इंटर कॉलेज, पटेल नगर) शामिल थे। प्रतियोगिता की समाप्ति पर संयोजक प्रधानाचार्य श्रीमती सविता मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को गोल्ड, सिल्वर एवं कांस्य पदक प्रदान करते हुए उन्हें जिला स्तर एवं मंडल स्तर की प्रतियोगिताओं में सफल होने की शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम में खेल अध्यक्ष श्री रौहिल, खेल-संयोजक श्री योगेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. शत्रुघ्न प्रसाद मिश्र, श्री अबुल कुमार पांडे, श्री अरुण कुशवाहा, श्री राम धीरज आदि शिक्षकों ने अपना अभूतपूर्व सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रवक्ता श्री राम धीरज जी द्वारा किया गया।

मेजारोड फ्लाई ओवरब्रिज की स्ट्रीट लाइटें गायब विभागीय अधिकारी खामोश

स्थानीय और जिला प्रशासन भी उदासीन, रात के समय अंधेरे में डूबा फ्लाई ओवरब्रिज, आए दिन हो रही हैं सड़क दुर्घटनाएं, अब कई राहगीरों की जा चुकी है जान, किसी और बड़े हादसे की आशंका

मेजा। मेजारोड फ्लाई ओवरब्रिज पर लाखों रुपये की लागत से लगाई गई आधुनिक स्ट्रीट लाइटें गायब हो गई हैं। प्रशासन की उदासीनता के कारण अब अधिकांश खंभों पर कोई बल्ब या लाइट नहीं है। रात के समय फ्लाईओवर और उसके नीचे का क्षेत्र पूरी तरह अंधेरे में डूबा रहता है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों की जान को खतरा बना हुआ है।

उल्लेखनीय है कि प्रयागराज मिजापुर मार्ग पर स्थित

मेजारोड फ्लाईओवर एक व्यस्त और महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन और आने लोग प्रायः गुजरते हैं। स्ट्रीट लाइटों के अभाव में यह फ्लाईओवर रात के समय 'ब्लैक स्पॉट' बन गया है। अंधेरे के कारण वाहन चालकों को सड़क पर गड़्ढे, मोड़ और अन्य वाहन



स्पष्ट दिखाई नहीं देते, जिससे आए दिन गंभीर सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई राहगीर और बाइक सवार अब तक अंधेरे के कारण गिरकर घायल हो चुके हैं या फिर उनकी मौत हो चुकी है। स्थानीय जन प्रतिनिधियों और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को इस गंभीर समस्या से अवगत कराया जा

चुका है किंतु इसके बावजूद आज तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। ऐसे में विभाग की इस निष्क्रियता का फायदा उठाकर अराजक तत्वों और चोरों ने खंभों पर लगी कीमती लाइटें और उपकरण चुरा लिए हैं। स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों ने प्रशासन से तत्काल मेजारोड फ्लाईओवर पर आधुनिक और उच्च क्षमता वाली एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगवाने की मांग की है जिससे रात के समय आवागमन सुरक्षित हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस समस्या पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में किसी और बड़े हादसे की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन और विभागीय अधिकारियों की होगी।

अधिकारियों को इस गंभीर समस्या से अवगत कराया जा चुका है। हालांकि, इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। विभाग की इस निष्क्रियता का फायदा उठाकर अराजक तत्वों और चोरों ने खंभों पर लगी कीमती लाइटें और उपकरण चुरा लिए हैं। स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों ने प्रशासन से तत्काल मेजारोड फ्लाईओवर पर आधुनिक और उच्च क्षमता वाली एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगवाने की मांग की है जिससे रात के समय आवागमन सुरक्षित हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस समस्या पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में किसी और बड़े हादसे की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन और विभागीय अधिकारियों की होगी।

मेजर ध्यानचंद की स्मृति में अमिलिया कला में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित, 52 लोगों ने करवाई आंखों की जांच

अखंड भारत संदेश

मेजा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अमिलिया कला के प्राथमिक विद्यालय मनु का पूरा में हांकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर रत्नो देवी आईकेयर एंड ऑप्टिकल सेंटर, ऊंचडीह द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गांव के बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी आंखों की जांच करवाई। शिविर में नेत्र चिकित्सक डॉ. पंकज कुमार द्वारा लोगों की आंखों की जांच की गई। उनके साथ सहायक के रूप में डा. शेवमणि भारती ने सहयोग किया। इस अवसर पर चंद्रशेखर भारती, अनवर खान, करन कुशवाहा, ग्राम सेवक सुरेंद्र जैसल, पवन कुशवाहा आदि के अलावा कई अन्य गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे। आयोजक शैलेश कुमार कुशवाहा ने बताया कि मेजर ध्यानचंद की स्मृति



निःशुल्क नेत्र शिविर में आंखों की जांच हेतु मौजूद ग्रामीण और गणमान्य लोग में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से यह शिविर लगाया गया। शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आंखों से संबंधित सुविधा गांव में ही उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह पहल की गई है और आगे भी स्वास्थ्य से जुड़े ऐसे शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए आयोजक मंडल को धन्यवाद दिया।

पानी निकलने के बाद जमुना नगर में फैला कीचड़, बीमारी फैलने की आशंका

नैनी। नैनी चक रघुनाथ स्थित जमुना नगर मोहल्ले में पानी की निकासी के बाद जगह-जगह कीचड़ जमा होने से स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि यदि समय रहते नगर निगम की ओर से सफाई नहीं कराई गई तो यह कीचड़ बहकर सीवर लाइन में पहुंच सकता है, जिससे सीवर जाम होने की समस्या उत्पन्न हो सकती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कीचड़ और गंदगी के कारण मोहल्ले में मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है। इससे संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। लोगों का कहना है कि समस्या को लेकर नगर निगम जलकल विभाग के अधिकारियों को गंभीरता से संज्ञान लेकर जल्द सफाई और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करानी चाहिए। मोहल्लेवासियों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि समय रहते कीचड़ और गंदगी की सफाई कराकर समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए, ताकि लोगों को परेशानी से राहत मिल सके और बीमारी फैलने की आशंका को रोक जा सके।



सुप्रसिद्ध औता महावीर मंदिर पर 1 सितंबर को आयोजित होगा बुढ़वा मंगल मेला, तैयारियां तेज

प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले इस धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र लोगों में है खासा उत्साह,मेले के दौरान होने वाले दंगल में दूर दराज क्षेत्रों से आरेंगे कुश्ती के कई दिग्गज पहलवान

अखंड भारत संदेश

मेजा। क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल औता महावीर मंदिर पर 1 सितंबर मंगलवार को बुढ़वा मंगल मेला का भव्य आयोजन किया गया है। मेले को लेकर मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं जिसमें क्षेत्र एवं दूर दराज के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि बुढ़वा मंगल के मेले के दिन सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ जुटने लगती है। इस दौरान श्रद्धालु भगवान हनुमान जी के दर्शन-पूजन कर प्रसाद चढ़ाते हैं और परिवार की सुखशांति,समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना किया करते हैं। गौरतलब है कि इस धार्मिक आयोजन को लेकर आसपास के गांवों के लोगों में खासा उत्साह है।



इस आयोजन की जानकारी मंदिर के पुजारी ने दी। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर भगवान महावीर के दर्शन-पूजन करने की अपील की है। मेले के दौरान दूरदराज

से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाओं के साथ विभिन्न प्रकार की दुकानें भी सजेंगी। मेले में खान-पान, प्रसाद और दैनिक जरूरत की वस्तुओं के अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले आदि लगाए जा रहे हैं। मंदिर के पुजारी ने मेला के दौरान श्रद्धालु भक्तों से स्वच्छता बनाए रखने, आपसी सहयोग करने और व्यवस्था में सहयोग देने का आह्वान किया है। बता दें कि औता महावीर मंदिर का बुढ़वा मंगल मेला क्षेत्र के एक बड़ा धार्मिक आस्था का केंद्र होने के साथ-साथ परंपरागत सामाजिक एकता और भाई चारे का भी प्रतीक है। प्रत्येक वर्ष लगने वाले इस विशाल मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं और हनुमान जी के दर्शन करते हैं। इस बार भी मेले को लेकर लोगों में काफी उमंग एवं उत्साह है।

हाईवे पर कार का टायर फटने से हादसा अधिवक्ता की बहू की मौत, बेटा घायल

नोएडा से लौट रहे थे घर,
रास्ते में हुआ हादसा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लखनऊ-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर रायबरेली के समीप कार का अगला टायर फटने से हुए सड़क हादसे में पट्टी कस्बे की रहने वाली 30 वर्षीय महिला की मौत हो गई। उसका पति घायल हो गया। हादसे की खबर और शव के घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

पट्टी तहसील के वरिष्ठ अधिवक्ता पट्टी नगर निवासी राकेश खरे की पत्नी की तबीयत कुछ खराब कर रही थी। पत्नी को लेकर अस्वस्थ होने के कारण उपचार के लिए अपने बड़े पुत्र के पास नोएडा गए हुए थे। बताया गया कि रक्षाबंधन के



अक्सर पर उनका छोटा पुत्र वैभव श्रीवास्तव, जो इंद्रौर में इंजीनियर है, पत्नी अंकिता श्रीवास्तव के साथ पत्नी के भाई को राखी बांधने के बाद दोनों नोएडा पहुंचे थे।

इसके बाद परिवार के लोग दो कारों से वापस घर लौट रहे थे।

परिजनों के अनुसार शुक्रवार की रात करीब साढ़े आठ बजे रायबरेली के समीप हाईवे पर वैभव की कार का अगला टायर अचानक फट



गया। इस कार में वैभव के अलावा उसकी पत्नी आगे बैठी हुई थी, जबकि पीछे वैभव की मां लेटी हुई थी। कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसा हुआ तो गेट खुला तब अंकिता अगली सीट से नीचे गिर गई। जबकि पीछे सीट पर लेटी वैभव की मां दोनों सीट के बीच में फंस गई।

हादसे में वैभव श्रीवास्तव और उनकी पत्नी अंकिता गंभीर रूप से



घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए एम्स रायबरेली ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने अंकिता को मृत घोषित कर दिया। वैभव इलाज के लिए भर्ती कराया गया। हादसे की जानकारी जब परिजनों को हुई तो वह लोग भी मौके पर पहुंचे।

अंकिता का शव शनिवार को पट्टी स्थित आवास पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर अधिवक्ता और

नगर के लोग बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए। बार अध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी, बार के पूर्व अध्यक्ष अनिल सिंह, अधिवक्ता प्रमोद सिंह, दिनेश सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक जायसवाल सहित तहसील कर्मियों, अधिवक्ताओं और कस्बे के लोगों ने परिजनों को ढाढ़स बंधाया। दोपहर लगभग बारह बजे उसके शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया।

पीएचसी और विद्यालय पहुंचे डीएम, व्यवस्थाओं की परखी हकीकत, गैरहाजिरी पर जताई नाराजगी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुखपालनगर और प्राथमिक विद्यालय पूरे रायजू का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था तक की हकीकत परखी। मरीजों और छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। पीएचसी में महिला चिकित्साधिकारी के अनुपस्थित मिलने तथा विद्यालय में शिक्षकों और विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत उपस्थिति न मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुखपालनगर में मौजूद मरीजों से बातचीत की और पूछा कि चिकित्सकों द्वारा बाहर की दवाएं तो नहीं लिखी जा रही हैं। मरीजों ने बताया कि उन्हें बाहर की दवाएं नहीं दी जा रही हैं। इसके



बाद डीएम ने पंचा काउंटर का निरीक्षण कर अब तक काटी गई पर्चियों और पंचा काटने की समय-सीमा की जानकारी ली। कर्मचारी ने बताया कि अब तक 100 से अधिक मरीजों की पर्चियां काटी जा चुकी हैं तथा अपराह्न 2 बजे तक पर्चियां काटी जाती हैं। अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी जिलाधिकारी ने उपचार की स्थिति जानी। मरीजों ने बताया कि चिकित्सकों द्वारा समय से इलाज किया जा रहा है। प्रसव सुनिश्चित के निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रसव संबंधी व्यवस्थाओं की

जानकारी ली। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली धनराशि के बारे में पूछे जाने पर बताया गया कि 10 से 15 दिन के भीतर पैसा लाभार्थियों के खाते में भेज दिया जाता है। निरीक्षण के दौरान महिला चिकित्साधिकारी डॉ. शिवानी सिंह अनुपस्थित पाई गईं। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अस्पताल में सभी चिकित्सकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित

बिजली का पलक ठीक करते समय करंट की चपेट में आया अधेड़, गंभीर

प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के सोनवट गांव में शनिवार दोपहर घर की बिजली ठीक कर रहे अधेड़ अचानक करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उन्हें भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। सोनवट गांव निवासी रमाशंकर शुक्ल शनिवार दोपहर करीब 3:30 बजे बिजली जाने के बाद घर के अंदर खराब बिजली के प्लग को ठीक कर रहे थे। इसी दौरान अचानक बिजली की सप्लाई चालू हो गई। करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गए। उनके हाथ और पैर में भी चोट आई है। घटना के बाद परिजन उन्हें निजी वाहन से अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां भर्ती कर उनका उपचार किया जा रहा है। इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर अखिलेश जायसवाल ने बताया कि रमाशंकर करंट की चपेट में आए हैं। उनका इलाज किया जा रहा है।



अजगरा महान संवाद के जोनल राउंड में साक्षी अव्वल

अखंड भारत संदेश

गड़वारा। नगर पंचायत कार्यालय गड़वारा में शनिवार को अजगरा महान संवाद कार्यक्रम के जोनल राउंड में प्रतिभागियों ने सवालों का जवाब बेबाकी से दिया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित करके किया। दि ग्रेट अजगरा डिबेट प्रतियोगिता में पांच सदस्यीय मंडल ने प्रतिभागियों से कई सवाल पूछे।

जिसका प्रतिभागियों ने उत्तर दिया। निर्णायक मंडल ने परिणाम घोषित करते हुए कुशहा वार्ड की साक्षी पाण्डेय को विजेता घोषित किया। साक्षी को माला पहनाकर, अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर ईओ अभय रंजन, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन सिंह शोलू, लिपिक नितेश द्विवेदी, शिवकुमार गुप्ता, संजय पाठक, शिव शंकर सरोज, नृपेंद्र मणि शर्मा, कपिल देव पटेल आदि मौजूद रहे।

सावन मेला सकुशल संपन्न, बेलखरनाथ धाम में विशाल भंडारे का आयोजन

अखंड भारत संदेश

बेलखरनाथ धाम। पवित्र सावन माह में लगा एक महीने का मेला सकुशल संपन्न हो गया। मेले के समापन पर मंगलवार को बेलखरनाथ धाम परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

गौरतलब है कि सावन माह में बेलखरनाथ धाम में दूर-दराज से कांवरिए व श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए आते हैं। इस वर्ष भी सावन के प्रत्येक सोमवार को लाखों की संख्या में भक्तों ने बाबा बेलखरनाथ का दर्शन कर जलाभिषेक किया। प्रशासन व मंदिर समिति द्वारा सुरक्षा व व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिसके चलते पूरा मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

मेले के समापन पर मंदिर समिति व स्थानीय ग्राम प्रधानों के सहयोग से भंडारे का आयोजन किया गया।



सुबह पूजन-अर्चन के बाद भंडारा शुरू हुआ जो देर शाम तक चलता रहा। भंडारे में पूड़ी-सब्जी, चावल-दाल का प्रसाद वितरित किया गया।

इस मौके पर मंदिर के महंत, विश्वनाथ गिरी, ब्रदी नाथ, सन्नी

गिरी, अजीत ओझा, प्रमोद यादव, संदीप पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग व पुलिस कर्मी मौजूद रहे। मंदिर समिति ने सहयोग के लिए प्रशासन व सभी श्रद्धालुओं का आभार जताया।

न्यायालय के वारंट पर आरोपी गिरफ्तार
प्रतापगढ़। देहलीपुर थाना देहलीपुर पुलिस ने न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंट के अनुपाल में शनिवार को एक वारंटी आरोपी को गिरफ्तार किया। हरिहरपुर गांव निवासी मो. हसीब अहमद (42) को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसके घर के सामने से पकड़ा। आरोपी के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने का मामला न्यायालय में विचारधीन है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय में पेश किया।

सड़क हादसे में 12 लोग घायल

कुंडा प्रतापगढ़। प्रयागराज के नवाबगंज थाना क्षेत्र केपटना गांव निवासी लल्लू प्रजापति का 35 वर्षीय बेटा अपनी 33 वर्षीय पत्नी फूलन देवी और 11 वर्षीय बेटी अनामिका के साथ बाइक से शनिवार को कहीं जा रहा था। जैसे ही वह कुंडा इलाके के बाईपास हाईवे पर पहुंचा वाहन की टक्कर से सभी घायल हो गए। हथिंगवां थाना क्षेत्र के खिदिरपुर गांव निवासी गिरिजा प्रसाद का 35 वर्षीय बेटा राकेश यादव शुक्रवार को बाइक से जाते समय वाहन की टक्कर से जाते समय घायल हो गया। मानिकपुर थाना क्षेत्र के अन्तामऊ गांव निवासी नोखे का 8 वर्षीय बेटा अकरम वाहन की चपेट में आने से घायल हो गया। लखपेड़ा खमसरा गांव निवासी परमानंद यादव का 18 वर्षीय बेटा शुभम यादव वाहन की टक्कर से घायल हो गया।मानिकपुर नगर पंचायत निवासी पारसलाल यादव

का 16 वर्षीय बेटा हुकूम सिंह यादव वाहन की टक्कर से घायल हो गए।
अन्य घायलों की जानकारी
कोतवाली के टिकरिया बुजुर्ग गांव निवासी रमेश निर्मल की 35 वर्षीय पत्नी रानू निर्मल वाहन की टक्कर से घायल हो गई। ऊगापुर गांव निवासी राजेन्द्र का 19 वर्षीय बेटा करन पटेल बाइक से जाते समय वाहन की टक्कर से घायल हो गया। शीतलपुर गांव निवासी रामराज का 38 वर्षीय बेटा झूमराज यादव बाइक से जाते समय वाहन की टक्कर से घायल हो गया। संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के कंथेरआ गांव निवासी बहादुर का 30 वर्षीय बेटा मुन्ना लाल बाइक से जाते समय वाहन की टक्कर से घायल हो गया। सराय निरंथी गांव निवासी मेवालाल का 35 वर्षीय बेटा मनोज कुमार वाहन की टक्कर लड़ हो गया। आस पास के लोगों ने एम्बुलेंस बुलाकर घायलों को इलाज को सीएचसी भेजा।

बारिश के तेज बहाव से पुलिया क्षतिग्रस्त संपर्क मार्ग पर आवागमन संकट

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पट्टी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने बारहुपुर नहर से तातई मुरैनी जाने वाले संपर्क मार्ग की पेड़ुरा चौमटी पुलिया को क्षतिग्रस्त कर दिया है। तेज जलप्रवाह के कारण पुलिया का हिस्सा धंस गया। जबकि पीडब्ल्यूडी की सड़क भी कई जगह टूट गई है। पुलिया क्षतिग्रस्त होने से राहगीरों, स्कूली बच्चों, किसानों और दोपहिया-चारपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिया के नीचे उफनते पानी और टूटी सड़क को देखकर लोग भयभीत हो रहे हैं तथा कई वाहन चालक दूर से ही लौट जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग



कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। यदि शीघ्र मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से पुलिया को तत्काल मरम्मत कर सुरक्षित आवागमन बहाल कराने की मांग की है।

महेशगंज में चोरों के हौसले बुलंद, थाने से चंद कदम की दूरी पर गुमटी का ताला तोड़कर हजारों का सामान चोरी

कुंडा, प्रतापगढ़। महेशगंज थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद हैं। शुक्रवार की रात चोरों ने थाने से चंद कदम की दूरी पर स्थित एक गुमटी का ताला तोड़कर नकदी समेत हजारों रुपये का सामान पार कर लिया। थाने के ठीक बगल में हुई चोरी की घटना से पुलिस की रात्रि गश्त व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार चेतरा महेवा मलकिया गांव निवासी दीना यादव महेशगंज थाने के बगल में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास गुमटी रखकर पान की दुकान चलाते हैं। शुक्रवार की रात वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए। आरोप है कि देर रात अज्ञात चोरों ने गुमटी को निशाना बनाया। चोर ताला तोड़कर दुकान के भीतर दाखिल हुए और गल्ले में रखे करीब दो हजार रुपये नकद के

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज, रविवार
30. 8. 2026

न्यूज झरोखा
रसोई से गैस सिलिंडर चोरी कर ले जा रहा युवक पकड़ा गया
प्रतापगढ़। कंधाई थाना क्षेत्र के खुशक का पुरवा गांव में शनिवार सुबह रसोई से गैस सिलिंडर चोरी कर ले जा रहे युवक को परिजनों ने पकड़ लिया। उसके पास से चोरी किया गया इंडेन गैस सिलिंडर और रेगुलेटर बरामद हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। खुशक का पुरवा निवासी रमाशंकर मौर्या उर्फ रिबई के अनुसार, शनिवार सुबह उनकी पत्नी रसोई में गई तो गैस सिलिंडर गायब था। परिजनों ने आसपास तलाश शुरू की। इसी दौरान गांव का ही धर्मद पुत्र ननकू गैस सिलिंडर कंधे पर रखकर ले जाता दिखाई दिया। लोगों को अपनी ओर आता देख वह सिलिंडर छोड़कर भागने लगा। तभी रमाशंकर के भतीजे ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया। परिजनों ने चोरी किए गए गैस सिलिंडर और रेगुलेटर के साथ आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर धर्मद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बरामद सिलिंडर को कब्जे में ले लिया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस
पट्टी। स्थानीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पट्टी में शनिवार को मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम की थीम हाखलेगा भारत, जीतेगा भारतक रही।

खेल प्रतियोगिताओं के शुभारंभ से पहले महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अखिलेश कुमार पांडेय ने मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद उन्होंने हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ कराया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।एनसीसी अधिकारी डॉ. अनिल कुमार यादव, एनएसएस कार्यक्रमाधिकारी डॉ. देवेन्द्र नारायण पांडेय, डॉ. दिलीप सिंह, डॉ. रागिनी सोनकर, शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापक डॉ. सुनील मिश्र, अतुल सिंह समेत अन्य प्राध्यापक मौजूद रहे। महाविद्यालय के जनसूचना अधिकारी डॉ. वीरेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के फिट इंडिया मूवमेंट के तहत प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जाता है।

जिला मजिस्ट्रेट ने जनपद में 24 अक्टूबर तक निषेधाज्ञा लागू की

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट अभिषेक पाण्डेय ने आगामी त्योहारों जन्माष्टमी, महात्मा गांधी जयंती, दुर्गापूजा, महाअष्टमी, महानवमी, दशहरा एवं भरत मिलाप तथा समय-समय पर विभिन्न परीक्षाओं के दृष्टिगत जनपद में 24 अक्टूबर 2026 तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दिया है। यह आदेश जनपद के सम्पूर्ण क्षेत्र में एवं जनपद में निवास करने वाले तथा जनपद की सीमा में प्रवेश करने वाले सम्स्त व्यक्तियों पर प्रभावी होगा। उन्होंने बताया है कि एक स्थान पर 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों का विधि विरुद्ध जमाव प्रतिबन्धित किया जाता है। त्योहार के पवन पर्व पर कोई नई परम्परा नहीं कायम की जायेगी। कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थानों पर रिवाजवर, पिस्टल, राइफल, एक नली बन्दूक व दो नली बन्दूक अथवा घातक हथियार यथा चाकू बल्लम, परसा, विस्फोटक, ज्वलनशील पदार्थ, तेजाब आदि अथवा लाठी, डंडा, हाकी स्टिक आदि या किसी भी प्रकार का हथियार/शस्त्र लेकर नहीं चलेगा, न तो उसका प्रयोग करेगा। यह प्रतिबन्ध सरकारी दुसुटी पर तैनात अधिकारी/कर्मचारी तथा बैंक में लगे हुए सुरक्षा कर्मियों पर लागू नहीं होगा। शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को उनके सहारे में रूप में लाठी या डंडा लेकर चलने की छूट रहेगी। किसी भी सार्वजनिक धार्मिक स्थल पर डी०जे०, गीत-संगीत आदि की आवाज निधारित मानकों से अधिक नहीं होगी व लाउडस्पीकर का प्रयोग किसी भी दशा में इस प्रकार से नहीं किया जायेगा, जिससे विभिन्न सम्प्रदाय के लोगों में उत्तेजना फैलने की सम्भावना हो। लाउडस्पीकर का प्रयोग सक्षम अधिकारी एवं संबंधित उप जिला मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति से ही किया जा सकेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह किसी भी सार्वजनिक, धार्मिक स्थल पर कोई ऐसी जनसभा, रैली या जुलूस का आयोजन नहीं किया जायेगा और न ही किसी प्रकार की अफवाह फैलाई जायेगी जिससे विभिन्न समुदाय के लोगों में मनमुटाव, वैमनस्यता या घृणा की भावना उत्पन्न हो। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह कोई ऐसी आलोचना नहीं करेगा जिसकी सत्यता स्थापित न हुई हो या तोड़-मरोड़ कर कही गयी बातों पर आधारित हो एवं जातीय या साम्यदायिक भावनाओं की दुहाई नहीं देगा। मस्जिदों, गिरिजाघरों, मन्दिरों या अन्य पूजा स्थलों को सभा स्थल के रूप में प्रयोग नहीं किया जायेगा और न ही इन स्थानों से जुलूस या रैली निकाली जा समाज की जायेगी। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह प्रत्येक व्यक्ति के शांतिपूर्ण व विघ्न रहित जिवन्दगी अधिकार को ध्यान में रखते हुए व्यक्तियों के विचारों या कार्यों का विरोध करने के लिए उनके घरों के सामने धरना, प्रदर्शन आदि का आयोजन नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह कोई ऐसा कार्य नहीं करेगा जिससे विभिन्न जातियों, धार्मिक व भाषायी समुदायों के बीच मतभेद बढ़े अथवा घृणा की भावना या तनाव पैदा हो। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह साम्यदायिक सौहार्द, शांति व्यवस्था एवं लोक व्यवस्था को भंग करने व लोगों को गुमराह करने वाले किसी भी प्रकार की अफवाह को प्रचारित व प्रसारित नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति, व्यक्तियों का समूह किसी प्रकार की नारेबाजी, उत्तेजना फैलाने वाले या साम्यदायिक सन्देश विगाने वाले प्रचार नहीं करेगा। परीक्षा केन्द्रों के आस-पास 200-300 मीटर की परिधि में ध्वनि विस्तारक यन्त्रों, ब्लूटूथ एवं आई०टी० गैजेट्स सहित इसी प्रकार की अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। परीक्षा केन्द्र के आस-पास ०1 किमी० की परिधि में फोटो कापियर एवं स्कैनर का संचालन परीक्षा अस्थि में पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। कोई भी परीक्षार्थी बिना परीक्षा सम्पन्न हुए सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना परीक्षा कक्ष से बाहर नहीं जायेगा और न ही उन्से पुस्तिका बाहर ले जायेगा। परीक्षा की समाप्ति तक किसी भी अभ्यर्थी अथवा प्रश्न-पत्र को परीक्षा केन्द्र से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा।

गल्ले में रखे 2 हजार नकद समेत हजारों का सामान ले गए चोर, रात्रि गश्त पर उठे सवाल

साथ दुकान में रखा हजारों रुपये का सामान लेकर फरार हो गए।शनिवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे दीना यादव ने जंग गुमटी का टूटा हुआ ताला देखा तो उनके होश उड़ गए। अंदर सामान बिखरा पड़ा था और गल्ले से नकदी समेत अन्य सामान गायब था। पीड़ित के मुताबिक चोरों में उन्से हजारों रुपये का नुकसान हुआ है।
थाने के बगल में चोरी से व्यापारियों में आक्रोश
महेशगंज थाने से चंद कदम की दूरी पर हुई चोरी की घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में नाराजगी है। व्यापारियों का कहना है कि जब

थाने के आसपास ही चोर बेखोफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं, तो क्षेत्र के अन्य हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में चोरी की घटनाओं को लेकर पहले से ही घटना बनी हुई है। ऐसे में थाने के नजदीक हुई इस वारदात ने पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।पीड़ित ने घटना के संबंध में महेशगंज थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।
थानाध्यक्ष का फोन नहीं हुआ रसीव
घटना के संबंध में महेशगंज थानाध्यक्ष सदीप त्रिपाठी से पक्ष जानने के लिए सरकारी और निजी दोनों नंबरों पर फोन किया गया, लेकिन फोन रसीव नहीं हुआ।

कौशाम्बी संदेश

कार से ई-रिवशा की टक्कर एक की मौत, पत्नी बेटी चालक सहित कई सवारी घायल

तेज रफ्तार का कहर दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से हुआ फरार, दुर्घटना में कार सवार भी घायल हुए हैं उनका नाम पता नहीं मिल सका है

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी सैनी कोतवाली क्षेत्र के खाचकोई गांव के सामने तेज रफ्तार चार पहिया वाहन और ई-रिक्शा की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई.टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा सवारी सहित सड़क पर पलट गया और पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया ई-रिक्शा सड़क पर पलटते ही उसमें मौजूद सवारी उसके नीचे दब गई जिससे उसमें सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई ई रिक्शा के दुर्घटना होते ही आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस के जरिए घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है दुर्घटना के बाद कार सवार फरार हो गया है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है दुर्घटना में कार सवार भी घायल हुए हैं उनका नाम पता नहीं मिल सका है जानकारी के मुताबिक कुड़ नवासी जियालाल उम्र 45 वर्ष पुत्र मंगल प्रसाद अपनी पत्नी और बेटी के साथ ई रिक्शा में सवार होकर सिराथू की ओर जा रहे थे जैसे ही ई रिक्शा खाचकोई गांव के सामने पहुंचा तेज रफ्तार कर से ई रिक्शा की जोरदार टक्कर हो गई जिससे सवारी सहित ई रिक्शा



सड़क पर पलट गया और ई रिक्शा की सवारी वाहन के नीचे दब गई मौके पर चीख पुकार मच गई दुर्घटना देखकर आसपास के लोग मौके में पहुंचे मामले की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया जहां इलाज के दौरान जिहा लाल की मौत हो गई.भीषण दुर्घटना में कार में सवार लोग भी घायल हुए हैं लेकिन उनका नाम पता नहीं मिल सका है बताया जा रहा है कि जियालाल हृदय रोग से भी पीड़ित थे. और अपनी पत्नी बेटी को लेकर ई रिक्शा में सवार होकर अस्पताल जा रहे थे ई रिक्शा में अन्य सवारियां भी मौजूद थी हादसे में जिया लाल की पत्नी प्रीति सोनकर,तीन वर्षीय बेटी लाडो और ई-रिक्शा चालक संतोष कुमार समेत अन्य लोग गंभीर घायल हो गए इस दुर्घटना में दोनों वाहन चालकों की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस फरार कार चालक की तलाश में जुटी है और हादसे के कारणों की जांच कर रही है

ग्राम प्रधान पर हमला करने की नीयत से घर पर दबंगों ने किया चढ़ाई

कोखराज कौशाम्बी सिराथू जलभराव की सफाई व तालाब से मलबा हटाने को लेकर ग्राम प्रधान को जान से मारने की धमकी, विवाद के बाद थाना कोखराज में दोनो पक्ष ने किया लिखित समझौता

जल भराव से गाँव में बढ़ती परेशानी को निजात दिलाने के लिए ग्राम प्रधान रंजीत पटेल ने तत्काल अधिकारियों के आदेश का पालन कराने के लिए जेसीबी मशीन की मदद से तालाब की गाटा संख्या 265 के मलबा हटाने पहुँचे मलबा हटाने के बाद गांव के ही अनिल कुमार,राज कुमार पुत्र राम बाबू अपने पत्नजी साथियों के साथ सुबह 6-00 बजे ग्राम प्रधान रंजीत पटेल के घर पहुँचे और ग्राम प्रधान के घर पर गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देते रहे जिस पर ग्राम प्रधान ने थाना कोखराज पुलिस को लिखत सूचना दी और दबंगो से अपनी जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है और उच्च अधिकारियों से इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करने को कहा है ग्राम प्रधान को लगातार जान से मारने की धमकी देने वाले दबंगो पर आखिर कब तक कार्रवाई होगी पूर्व में भी कई ग्राम प्रधानो के साथ घटना घट चुकी है ग्राम प्रधान का कहना है कि यदि मेरे व मेरे परिवार में कोई भी अनहोनी होती है तो इसके जिम्मेदार दजनों दबंग ही होंगे अंत में शाम को ग्राम प्रधान व विपक्षी अनिल कुमार राजकुमार ने लिखित शिकायत पत्र में समझौता कर विवाद को खत्म कर वापस घर चले गए । दोनो पक्षो द्वारा समझौता कर लिए जाने के बाद पुलिस मजबूर हो गई मुकदमा नही दर्ज हुआ

मूरतगंज-पल्हना घाट मार्ग पर हजारों गड्ढे, राहगीरों की जिंदगी दांव पर

अखंड भारत संदेश

हरौयपुर कौशाम्बी मूरतगंज से पल्हना घाट जाने वाला प्रमुख मार्ग इन दिनों बदहाली की मार झेल रहा है। सड़क पर जंगह-जगह नहीं बल्कि हजारों की संख्या में गड्ढे हो गए हैं। कई स्थानों पर गड्ढे इतने गहरे और बड़े हो चुके हैं कि बाइक का आधा पहिया तक उसमें समा जाता है। ऐसे में राहगीरों को हर समय दुर्घटना का डर सताता रहता है।इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों छात्र-छात्राओं ग्रामीणों और राहगीरों का आवागमन होता है। इसके अलावा पल्हना घाट पर गंगा स्नान के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की भी बड़ी संख्या रहती है। किसी व्यक्ति की मौत होने के बाद अंतिम संस्कार से जुड़ी मिट्टी आदि लेकर भी लोग इसी मार्ग से पल्हना घाट पहुँचते हैं। इसके बावजूद सड़क की हालत पर जिम्मेदार विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सड़क मरम्मत के नाम पर लोक निर्माण विभाग ने खजाने से रकम तो निकाल ली लेकिन सड़क का निर्माण मरम्मत गुणवत्तापूर्ण नहीं हुआ है जिससे रकम निकालने के बाद भी लीपा पोती हो गई

और कुछ दिन में फिर सड़क खराब हो गई घटिया निर्माण करने वाले ठेकेदार और अधिकारियों के कारनामों की जांच करार जाए और मुकदमा दर्ज करके ठेकेदार और अधिकारियों की गिरफ्तारी करार जाने की मांग आम जनता ने की है स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क की बदहाली को लेकर कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। सड़क पर बने गड्ढे

तो फिर डीएम से बड़े हो गए मुख्य चिकित्सा अधिकारी

जिला अधिकारी के निर्देश पर बन्द किए गए निजी अस्पताल का फिर शुरू हो गया संचालन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था में सरकार ने परिवर्तन किया है या फिर स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो गई है यह तो बड़ी जांच का विषय है लेकिन डेढ़ वर्ष पहले जिस अस्पताल को गलत पाए जाने पर जिलाधिकारी के निर्देश पर बंद कराया गया था इस बंद अस्पताल को स्थान बदलकर उन्ही डॉक्टर उन्ही कंपाउंड उन्ही कमचरियों के जरिए फिर से संचालन शुरू हो गया है सवाल उठता है कि क्या जिलाधिकारी से बड़े मुख्य चिकित्सा अधिकारी हो गए या फिर स्वास्थ्य विभाग मनमानी पर उतारू है जिससे उन्हें जिला अधिकारी के निर्देशों की धजियां उड़ानें में तनिक भी भय नहीं महसूस हो रहा है जनपद मुख्यालय मंझनपुर के ओसा रोड में नया पुर्वा के पास रोडवेज बस स्टॉप के सामने साइड में



फॉर्च्यूनर हॉस्पिटल का संचालन जिला अस्पताल के सरकारी डॉक्टर द्वारा लंबे समय से किया जा रहा था यह अस्पताल संयुक्त जिला चिकित्सालय के एक सरकारी डॉक्टर का निजी अस्पताल था जबकि सरकारी डॉक्टर के निजी अस्पताल संचालन पर हाईकोर्ट ने रोक भी लगाई है और यह सरकारी डॉक्टर

हाई कोर्ट में हलफनामा भी दे चुके हैं कि उनका निजी अस्पताल नहीं चल रहा है लेकिन हाई कोर्ट में झूठा हलफनामा देकर जिला अधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को गुमराह कर संयुक्त जिला चिकित्सालय के सरकारी डॉक्टर द्वारा निजी अस्पताल का संचालन खुले लगाई है और यह सरकारी डॉक्टर

सरकारी डॉक्टर मरीज का इलाज करने पहुँचता है जिससे सरकारी अस्पताल में मरीजों को ठीक से इलाज नहीं मिल रहा था और सरकारी अस्पताल में पहुंचे मरीजों को समझा कर सरकारी अस्पताल के इलाज की बुराई बताकर अपने निजी अस्पताल में इलाज कराने की सलाह देकर निजी अस्पताल का व्यवसाय बढ़ाने में लगातार यह डॉक्टर प्रयास करता रहा मामलों की जानकारी डीएम के पास पहुंची जिलाधिकारी ने कठोर रुख अपनाया और फॉर्च्यून हॉस्पिटल को बन्द करवा दिया अस्पताल में ताला लगा दिया और ताले के ऊपर सरकारी सील लगा कर अस्पताल संचालन पर रोक लगा दी गई लेकिन उसके बाद भी यह अस्पताल बंद नहीं हुआ अस्पताल के सारे सामान को गुप्त तरीके से निकाल लिया गया और जिस सरकारी नुमाइंदों को बंद अस्पताल के सुपरविजन की

जिम्मेदारी दी गई वह तमाशा देखते रहे स्थान बदलकर राम वन गमन मार्ग के ओसा के पास फॉर्च्यून हॉस्पिटल का संचालन उन्ही डॉक्टर उन्ही कमचरियों द्वारा फिर शुरू कर दिया गया सड़क के किनारे संचालित हो रहे इस अस्पताल का बड़ा सा बोर्ड लगा हुआ है अस्पताल बंद होने के निर्देश के बाद तुरंत स्थान बदलकर निजी अस्पताल संचालित हो रहा है लेकिन मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के निजी नर्सिंग होम के प्रभारी डॉक्टर अशोक मौयं को बंद अस्पताल के संचालन की जानकारी नहीं है आखिर यह कैसे नोडल प्रभारी है कि अवैध तरीके से अस्पताल चल रहा है और इनको अस्पताल संचालन की जानकारी नहीं हो रही है तो फिर अवैध तरीके से संचालित अस्पतालों पर यह रोक कैसे लगेंगी या फिर जिला अधिकारी के आदेश की धजियां उड़ाते हुए

मुख्य चिकित्सा अधिकारी को गुमराह कर अवैध अस्पतालों के संचालन में डिप्टी सीएमओ मशगूल है जो बड़ी जांच का विषय है लेकिन कुछ भी हो जिस तरह से जिलाधिकारी के निर्देश की धजियां सीएमओ कार्यालय के लोगों द्वारा उड़ा जा रही है यह बड़ा सवाल खड़ा कर रही है और आम जनता सवाल पूछ रही है कि क्या जिलाधिकारी से ज्यादा सीएमओ बड़े अफसर हो गए हैं जो बंद अस्पताल का संचालन करवा रहे हैं इस प्रकरण पर शासन प्रशासन ने जांच करवाई तो सीएमओ कार्यालय के बड़े कारनामों का खुलासा होगा एक तरफ जिलाधिकारी द्वारा बंद किया गया दूसरी तरफ सरकारी डॉक्टर द्वारा तीसरी तरफ सीज करने के बाद अस्पताल को संचालित करवाने में सीएमओ कार्यालय का कौन जिम्मेदार शामिल है यह बड़ी चर्चा का विषय बना हुआ है

मुख्य चिकित्सा अधिकारी को गुमराह कर अवैध अस्पतालों के संचालन में डिप्टी सीएमओ मशगूल है जो बड़ी जांच का विषय है लेकिन कुछ भी हो जिस तरह से जिलाधिकारी के निर्देश की धजियां सीएमओ कार्यालय के लोगों द्वारा उड़ा जा रही है यह बड़ा सवाल खड़ा कर रही है और आम जनता सवाल पूछ रही है कि क्या जिलाधिकारी से ज्यादा सीएमओ बड़े अफसर हो गए हैं जो बंद अस्पताल का संचालन करवा रहे हैं इस प्रकरण पर शासन प्रशासन ने जांच करवाई तो सीएमओ कार्यालय के बड़े कारनामों का खुलासा होगा एक तरफ जिलाधिकारी द्वारा बंद किया गया दूसरी तरफ सरकारी डॉक्टर द्वारा तीसरी तरफ सीज करने के बाद अस्पताल को संचालित करवाने में सीएमओ कार्यालय का कौन जिम्मेदार शामिल है यह बड़ी चर्चा का विषय बना हुआ है

मुख्य चिकित्सा अधिकारी को गुमराह कर अवैध अस्पतालों के संचालन में डिप्टी सीएमओ मशगूल है जो बड़ी जांच का विषय है लेकिन कुछ भी हो जिस तरह से जिलाधिकारी के निर्देश की धजियां सीएमओ कार्यालय के लोगों द्वारा उड़ा जा रही है यह बड़ा सवाल खड़ा कर रही है और आम जनता सवाल पूछ रही है कि क्या जिलाधिकारी से ज्यादा सीएमओ बड़े अफसर हो गए हैं जो बंद अस्पताल का संचालन करवा रहे हैं इस प्रकरण पर शासन प्रशासन ने जांच करवाई तो सीएमओ कार्यालय के बड़े कारनामों का खुलासा होगा एक तरफ जिलाधिकारी द्वारा बंद किया गया दूसरी तरफ सरकारी डॉक्टर द्वारा तीसरी तरफ सीज करने के बाद अस्पताल को संचालित करवाने में सीएमओ कार्यालय का कौन जिम्मेदार शामिल है यह बड़ी चर्चा का विषय बना हुआ है

रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने जा रही महिला का मोबाइल चोरी
तिल्हापुर मोड़, कौशाम्बी । पिंपरी थाना क्षेत्र के तिल्हापुर मोड़ बाजार में रक्षाबंधन पर्व के चलते बाजार में भारी भीड़ थी,जिसका फायदा उठाकर मोबाइल चोरी ने वारदात को अंजाम दिया रक्षाबंधन पर्व पर भाई को राखी बांधने जा रही एक महिला शुक्रवार को तिल्हापुर मोड़ बाजार में चोरी का शिकार हो गई मिथिला दुकान पर मिठाई और रक्षाबंधन का सामान खरीद रही थी, इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उसके पास रखा मोबाइल फोन पार कर दिया ।मोबाइल चोरी होने की जानकारी मिलते ही महिला सड़क पर ही फफक-फफक कर रोने लगी । महिला के पति ने उसे समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन मोबाइल चोरी होने से परेशान महिला दुकानदार रोती रही इसके बाद महिला और उसके पति ने अपराधन मौजूद लगावदारों व लोगों से मोबाइल के बारे में पूछताछ की,लेकिन किसी को घटना की जानकारी नहीं हो सकी। काफी देर तक तलाश और पूछताछ के बाद पति ने महिला को समझाया,जिसके बाद दोनों अपने घर चले गए

देव प्रयाग हॉस्पिटल में निशुल्क चिकित्सा शिविर का होगा आयोजन

कौशांबी गरीब आर्थिक कमजोर मरीजों को निशुल्क इलाज देने के मकसद से 2 सितंबर को दोपहर 1:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक जिले के मूरतगंज सकाढा बाई पास स्थिति देवप्रयाग हॉस्पिटल में निशुल्क चिकित्सा शिविर एवं दवा वितरण का आयोजन अस्पताल संचालकों द्वारा किया गया है जहां मरीजों के विभिन्न मर्ज की कुशल चिकित्सकों द्वारा जांच की जाएगी और जांच के उपरान्त मरीजों के बीच दवा का वितरण भी किया जाएगा डॉ एम खान रमबीबीएस एमडी शुगर बीपी थायरॉइड एवं हृदय रोग सहित विभिन्न गंभीर मर्ज के विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन 2 सितंबर को देवप्रयाग हॉस्पिटल मूरतगंज सकाढा बाई पास में किया गया है और विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा मरीजों की जांच की जाएगी डॉ एम खान ने बताया कि देवप्रयाग हॉस्पिटल सकाढा मूरगंज में लगने वाले चिकित्सा शिविर में एक्करे अल्ट्रा साउंड पैथोलॉजी जांच इसीजी की जांच कराने पर अस्पताल द्वारा 50 प्रतिशत की मरीजों को छूट भी दी जाएगी जिससे मरीजों को कम खर्च में एक-रे अल्ट्रासाउंड पैथोलॉजी जांच इसीजी की जांच आसानी से हो जाएगी

पूरामुपत्ती पब्लिक स्कूल मे खेल दिवस पर खो-खो वा रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी प्रयागराज एवं कौशाम्बी के बॉर्डर पर स्थित पूरामुपत्ती पब्लिक स्कूल एन्ड कॉलेज गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खो-खो और रस्सा कसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्रबंधक डॉ प्रभुशंकर शुक्ल पूर्व सदस्य रेलवे बोर्ड भारत सरकार ने हॉकी के जादूगर पूर्व ओलंपिक पदक विजेता मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया इस अवसर पर डॉ शुक्ल ने कहा की मेजर ध्यानचंद के जीवन और खेल कला से अपने जीवन में सीख लेनी चाहिए की हम सुविधाओं के अभाव में भी विश्वपटल पर अपनी छाप छोड़ने की काबिलियत हम सभी भारतवासियों में होनी चाहिए इस कार्यक्रम में बच्चों ने बद्धचढ़कर हिस्सा लिया उक्त अवसर पर विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जिसमे निधि यादव (जोन स्तरीय एथ्लेटिक्स प्रतियोगिता 2026) कारन दिवाकर (राज्य स्तरीय खो - खो प्रतियोगिता) सुजीत कुमार (दिक्षि ओपन एथ्लेटिक्स प्रतियोगिता में तृतीय स्थान) को स्मृति चिन्ह से सम्पित किया गया। खो-खो में टीम अभिनयु ने टीम अर्जुन को 9-8 से हराकर विजय प्राप्त साथ ही रस्सा कसी में टीम गंगा को टीम गोदावरी को 2-1 से हराकर विजय परचम लहराकर स्वर्ण पदक पर अपना कब्जा जमाया । इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या

मजदूरी की रकम ठेकेदार से पाने के लिए पुलिस की चौखट पर दौड़ रहा है गरीब मजदूर

कौशाम्बी मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के नगर पालिका मंझनपुर के रवाली पुरम बार्ड नंबर 19 के ग्राम बमनपुरवा निवासी दुखू लाल पुत्र स्त्रीय रामस्वरूप ने ठेकेदार के साथ मजदूरी को थी लेकिन ठेकेदार ने मजदूरी करवाने के बाद उसकी मजदूरी की रकम नहीं दी है जिससे मजदूर अपनी मेहनत की रकम पाने के लिए परेशान है और पुलिस की चौखट पर दौड़ लगा रहा है गरीब मजदूर श्रम कार्ड धारक है दिनांक 01 अप्रैल से 8 अगस्त तक ठेकेदार राकेश सरोज पुत्र विश्वनाथ सरोज निवासी प्रेम छोकाईशन का पुरा थाना मंझनपुर ने उससे मजदूरी कर्वाई 400 प्रतिदिन देने की बात कीही मजदूरी की धनराशि 32,200 रुपए में 24, 500 रुपए ठेकेदार ने मजदूरी दी शेष रकम 7,700 रुपए ठेकेदार द्वारा नहीं दिया जा रहा 16 व 17 अगस्त को नाम पंचमी त्यौहार पर ठेकेदार से पैसा लेने मजदूर गया तो ठेकेदार ने मजदूर को धमकी देते हुए गाली गलौज किया बंधुआ मजदूरी प्रणाली उन्मुलन अधिनियम,1976 के तहत किसी भी व्यक्ति से मजदूरी के कारण जबरन काम कराना मजदूरी की बकाया रकम न देना गंभीर और दंडनीय अपराध है। मजदूर से मजदूरी करवाने के बाद उसकी मजदूरी का भुगतान न करना भी बंधुआ मजदूर के तहत दंडनीय अपराध है। मजदूरी करवाने के बाद मजदूर की मजदूरी न देने वाले ठेकेदार के विरुद्ध बंधुआ मजदूरी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करके उनकी पिपत्तारी करार जाने की मांग एएसपी को शिकायती पत्र देकर मजदूर ने की है

पूर्ववती सरकार के समय में माफियाओं ने 16 करोड़ कीमत की बेच ली चार बीघा चलचित्र की सरकारी जमीन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी भरवारी नगर में पूर्ववती सरकार के समय में माफियाओं ने नियम विरुद्ध तरीके से 16 करोड़ कीमत की चार बीघा चलचित्र की सरकारी जमीन बेच ली है कई बार मामले की शिकायत हुई लेकिन जांच के दौरान केवल लालपोपेती हुई है इलाके के लोगों ने भाजपा सरकार से मांग की है कि चलचित्र की सरकारी जमीन बेचने के मामले की जासन स्तर से जांच कराई जाए और जमीन बेचने में शामिल माफियाओं पर मुकदमा दर्ज किया जाए जमीन खरीदने वालों पर भी मुकदमा दर्ज किया जाए और सरकारी जमीन चलचित्र की चार बीघा 16 करोड़ कीमत की सरकारी जमीन को कब्जा करने वालों के कब्जे से चलचित्र सिरमा हॉल की सरकारी जमीन को मुक्त कराई जाए बताते चले कि चार दशक पूर्ण भरवारी कस्बे के मेहता रोड में चार बीघा सरकारी जमीन पर

अखंड भारत संदेश

फरियादियों की आवाज बनी एसपी की प्राथमिकता, जनसुनवाई में शिकायतों पर तत्काल कारवाई के निर्देश

कौशाम्बी । आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्य नारायण ने पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं एसपी के समक्ष रखीं। पुलिस अधीक्षक ने एक-एक शिकायत को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों से मामले की जानकारी ली शिकायतों के निस्तरण को लेकर एसपी ने संबंधित थाना प्रभारियों और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक प्राथनी पत्र पर निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध कारवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर लेकर उन्हें जल्द राहत दिलाई जाए एसपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तराण में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और कारवाई केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिले। साथ ही लंबित शिकायतों की प्रभावी निगरानी करते हुए निर्धारित समयसीमा में उनका समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है। पुलिस विभाग का प्रयास है कि आमजन को न्याय दिलाने के साथ-साथ पुलिस के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना को और मजबूत किया जाए।

उप जिलाधिकारी ने ग्राम बम्हरोली में भूमि विवाद की 07 शिकायतों का मौके पर कराया निस्तराण

कौशाम्बी राजस्व टीम कौशाम्बी द्वारा टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान अभियान के अंतर्गत उप जिलाधिकारी, सिराथू प्रमेश श्रीवारत्त ने शनिवार को ग्राम बम्हरोली में कैम्प आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित 07 शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तराण सुनिश्चित कराया गया। कैम्प में शिकायतकर्ता अधिकेश सिंह की शिकायत पर ग्राम के तालाब की साफ-सफाई के लिए सचिव ग्राम पंचायत को निर्देशित किया गया। इसी प्रकार राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शिकायतकर्ता कमलदीप की शिकायत पर गाटा संख्या 965, तालाब की भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण को हटवाया गया ।उप जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मोहब्बतपुर पड़सा थाना में नवनिर्मित जनसुनवाई हॉल का पुलिस अधीक्षक ने किया शुभारम्भ

कौशाम्बी थाना मोहब्बतपुर पड़सा में नवनिर्मित जनसुनवाई हॉल का एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने शुभारम्भ किया है इस मौके पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनसुनवाई हॉल में क्षेत्र के फरियादियों को बेहतर एवं व्यवस्थित वातावरण मिलेगा पुलिस अधिकारी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर समस्या से निजात दिलाएंगे लोगों की जनसुनवाई के लिए जनसुनवाई कार्यालय कारगर साबित होगा एसपी ने शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तराण के निर्देश दिए उन्होंने आमजन से विनम्र व्यवहार और पारदर्शी जनसुनवाई पर जोर दिया नए जन सुनवाई कार्यालय से लोगों को समस्या बताने में शिकायत करने में अब आसान होगा कार्यालय शुभारंभ के दौरान सिराथू सीओ सरोद तिवारी एसओजी प्रभारी सुनील सिंह थाना प्रभारी चंद्रभूषण मौय्य सहित उपनिरीक्षक पुलिस के जवान इलाके के लोग मौजूद रहे

घायल कजरी मेला स्थल का अपर पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

तिल्हापुर कौशांबी रक्षाबंधन के पर्व के दूसरे वा तीसरे दिन कायला तहसील में सुप्रसिद्ध कजरी मेला की व्यवस्था बेहतर बनाने के उद्देश्य से अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह ने दिनांक 28 अगस्त की रात मे मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया गया है अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह ने चावल कजरी मेला स्थल का पैदल भ्रमण कर व्यवस्था का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था यातायात प्रबंधन,भीड़ नियंत्रण एवं श्रद्धालुओं की सुविधा का जासूजा लिया संबंधित पुलिस अधिकारियों थानेदात को मेला स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उन्होंने थाना पुलिस को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है बताते चलते रक्षाबंधन के दूसरे दिन और तीसरे दिन यानी 29 अगस्त और 30 अगस्त 2 दिन कजरी मेला का भव्य आयोजन होता है जहां इलाके के सैकड़ों गांव के लाखों लोग मेला देखने पहुंचते है मेला कमेटी द्वारा रोगानी की सजावट व अन्य आकर्षण व्यवस्थाएं मेला क्षेत्र में उपलब्ध कराई जाती है जिसे देखने के लिए महिला पुरुष बच्चो सहित बड़े बुजुर्गों की भारी भीड़ लगती है अधिक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस फोर्स की तैनाती की जाती है और इसी तैनाती को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक ने मेला की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निरीक्षण किया है

भाजपा नेता बबलू गर्ग ने वृद्ध आश्रम में मनाया जन्मदिन बांटे अंगवस्तर और फल

कौशाम्बी भाजपा के वरिष्ठ नेता धीरेद शुक्ला उर्फ बबलू गर्ग ने अपना जन्मदिन अनोखे अंदाज में मनाया। जिला कार्य समिति सदस्य एवं न्यायि गगे के पूर्व जिला संयोजक और ओसा बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड के अध्यक्ष बबलू गर्ग अपने जन्मदिन पर वृद्ध आश्रम पहुंचे।उन्होंने वहां रह रहे वृद्धजनों को अंग वस्त्र और फल भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। बुजुर्गों ने भी उन्हें दीर्घायु होने का आशीर्वाद दिया। इस दौरान वृद्ध आश्रम में खुशी का माहौल रहा। धीरेद शुक्ला ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। उनके आशीर्वाद से नई ऊर्जा मिलती है, इसलिए जन्मदिन वृद्धजनों के साथ मनाने का निर्णय लिया उनके इस सराहनीय कार्य की भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने सराहना की है। सभी ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके इस पुजित कार्य को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने जा रही महिला का मोबाइल चोरी

तिल्हापुर मोड़, कौशाम्बी । पिंपरी थाना क्षेत्र के तिल्हापुर मोड़ बाजार में रक्षाबंधन पर्व के चलते बाजार में भारी भीड़ थी,जिसका फायदा उठाकर मोबाइल चोरी ने वारदात को अंजाम दिया रक्षाबंधन पर्व पर भाई को राखी बांधने जा रही एक महिला शुक्रवार को तिल्हापुर मोड़ बाजार में चोरी का शिकार हो गई मिथिला दुकान पर मिठाई और रक्षाबंधन का सामान खरीद रही थी, इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उसके पास रखा मोबाइल फोन पार कर दिया ।मोबाइल चोरी होने की जानकारी मिलते ही महिला सड़क पर ही फफक-फफक कर रोने लगी । महिला के पति ने उसे समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन मोबाइल चोरी होने से परेशान महिला दुकानदार रोती रही इसके बाद महिला और उसके पति ने अपराधन मौजूद लगावदारों व लोगों से मोबाइल के बारे में पूछताछ की,लेकिन किसी को घटना की जानकारी नहीं हो सकी। काफी देर तक तलाश और पूछताछ के बाद पति ने महिला को समझाया,जिसके बाद दोनों अपने घर चले गए

शिवपुरी-फतेहपुर संदेश

फतेहपुर में गरजा 'आरक्षण बचाओ' आंदोलन सड़कों पर उतरे सैकड़ों लोग

अखंड भारत संदेश

फतेहपुर। आरक्षण के अधिकारों की रक्षा और सामाजिक न्याय की मांग को लेकर शनिवार को शहर में 'आरक्षण बचाओ आंदोलन' के तहत पदयात्रा निकाली गई। लोधीगंज चौराहा से शुरू हुई यात्रा ज्वालानंज, वर्मा चौराहा, पटेल नगर, शाहूजी महाराज चौराहा, सम्राट अशोक तिराहा, कर्पूरी ठाकुर चौराहा होते हुए आकांक्षा टीवीएस पर समाप्त हुई। हाथों में तिरंगा व तख्तावां लेकर सैकड़ों लोग शामिल हुए और महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। आंदोलन में जनहित संकल्प पाटी व सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरएस पटेल, गुजरात प्रभारी डॉ. सत्येंद्र पटेल प्रखर, फतेहपुर प्रभारी डॉ. पवन पटेल, जिलाध्यक्ष प्रमोद



पटेल गोलू, जिलाध्यक्ष मुकेश पटेल, बिन्दकी प्रभारी डॉ. वीरेंद्र सिंह, सुरेंद्र मोर्य, अभिषेक पटेल, रोशन सिंह, लाल सिंह, अजय पटेल समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे। डॉ.

आरएस पटेल ने कहा योगी सरकार ने आरक्षण खत्म कर दिया है, भविष्य से खिलवाड़ रोकने को आंदोलन जरूरी है। डॉ. वीरेंद्र ने कहा 22 विभागों में 22521 पदों पर व 69 हजार शिक्षक

भती में 20 हजार पदों पर आरक्षण घोटाला हुआ है जिसे डबल बेंच ने स्वीकारा है, आरक्षण गरीबी उन्मूलन नहीं बल्कि सामाजिक न्याय व प्रतिनिधित्व का अधिकार है।

23 मंडलों के मठ-मंदिरों तक पहुंचा संत वंदन अभियान, संतों का पूजन कर दिया समरसता का संदेश

अखंड भारत संदेश

फतेहपुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी की ओर से जिले में चलाया जा रहा संत वंदन अभियान जोर पकड़ रहा है। अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता जिले के सभी 23 मंडलों के मठ-मंदिरों में पहुंचकर संतों का पूजन और माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन कर रहे हैं। साथ ही सामाजिक समानता, भाईचारे और समरसता का संदेश लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में शहर के सिद्धपीठ तांबेश्वर मंदिर, हनुमान मंदिर और पटेल नगर स्थित हनुमान मंदिर समेत कई धार्मिक स्थलों पर संत विजयदास महाराज, पुजारी अनिल कुमार शुक्ला और संत सुरेशानंद



महाराज समेत अन्य संतों का पूजन कर सम्मान किया गया। भाजपा पदाधिकारियों ने संतों के आदर्शों को जीवन में अपनाने और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का संकल्प लिया। अभियान के संयोजक राम सजीवन कोरी ने बताया कि संत रविदास का जीवन समानता, सामाजिक समरसता और

पांच दिन से नहीं उठा कचरा, शिवपुरी में जगह-जगह लगे ढेर, नियमितीकरण पर अड़े कमचारी

अखंड भारत संदेश

शिवपुरी। नगर पालिका के सफाईकर्मियों समेत अन्य कमचारियों की हड़ताल पांचवें दिन भी जारी रहने से शहर की सफाई व्यवस्था बिगड़ गई है। 11 स्त्रीय मांगों को लेकर सोमवार से कमचारी काम बंद कर नगर पालिका परिसर में धरना दे रहे हैं। सफाईकर्मियों के काम पर नहीं आने से मुख्य सड़कों से लेकर कॉलोनियों और गली-मोहल्ले तक कचरे के ढेर जमा हो गए हैं। लगातार पांच दिन से कचरा नहीं उठाने के कारण लोगों की परेशानी भी बढ़ती जा रही है नगर पालिका प्रशासन और कमचारियों के बीच हुई बातचीत में 11 में से आठ मांगों पर सहमति बनने की बात सामने आई है, लेकिन नियमितीकरण और पदेन्न्ति की मांग पर अभी सहमति नहीं बन सकी है। कमचारियों का कहना है कि इन दोनों मांगों पर ठोस निर्णय होने तक आंदोलन जारी रहेगा। हड़ताल में नियमित कमचारियों के साथ ही आउटयोरस कमचारी और सफाईकमी भी शामिल हैं। कमचारियों का कहना है कि उनकी कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं। मांगों को लेकर पहले भी जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन अपेक्षित कारवाई नहीं होने के बाद कमचारियों ने काम बंद करने का निर्णय लिया।



करीब 250 कमचारियों के नियमितीकरण का मामला : नियमितीकरण और पदेन्न्ति की प्रक्रिया में कमचारियों से जुड़े पुराने अभिलेख भी अड़चन बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि करीब 250 कमचारियों को इसका लाभ मिला है, लेकिन कुछ कमचारियों के जरूरी दस्तावेज और पुराने रिकॉर्ड नगर पालिका में उपलब्ध नहीं हैं। प्रशासन अब इन अभिलेखों को जुटाने में लगा है। वहीं कमचारी प्रक्रिया शुरू करने में देरी के बजाय तत्काल कारवाई की मांग कर रहे हैं।

रक्षाबंधन पर जेलों में भावुक हुआ माहौल 9 जेलों में 992 बंदियों से मिलीं बहनें

अखंड भारत संदेश

शिवपुरी। रक्षाबंधन के पर्व पर शुक्रवार को शिवपुरी सर्किल की नौ जेलों में बंदियों और उनके परिजनों के बीच विशेष मुलाकात कराई गई। बहनों और माताओं ने अपने बंदी भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके बेहतर भविष्य तथा जल्द रिहाई की कामना की। लंबे समय बाद अपनी से आमने-सामने मिलने पर कई बंदियों और परिजनों की आंखें नम हो गईं। जेल मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर शिवपुरी सर्किल जेल समेत जिला और उपजेलों में विशेष मुलाकात की व्यवस्था की गई थी। जेल अधीक्षक विदित सिरवैया ने बताया कि मुलाकात से पहले परिजनों की सुरक्षा जांच की गई। पूरी प्रक्रिया के दौरान जेल अधिकारियों और कमचारियों ने सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी। मुलाकात समाप्त होने के बाद बंदियों की गिनती और लॉकअप का मिलान कर उन्हें बंद किया गया। सभी जेलों में व्यवस्था शांतिपूर्ण रही।

नौ जेलों में 992 बंदियों से मुलाकात

रक्षाबंधन पर शिवपुरी सर्किल की नौ जेलों में कुल 992 बंदियों से उनकी माताओं और बहनों ने मुलाकात की। इन्हें शिवपुरी जेल की नौ महिला बंदी भी शामिल हैं। सर्किल जेल शिवपुरी में 272 बंदियों से 1,088 परिजन मिले। गुना जिला जेल में 248 बंदियों से 670, अशोकनगर जिला जेल में 177 बंदियों से 453 और श्योपुर जिला जेल में 37 बंदियों से 101 परिजनों ने मुलाकात की। इसी तरह पोहरी उपजेल में 21 बंदियों से 34, कोलारस में 13 से 27, पिछोर में 86 से 197, करैरा में 98 से 303 और चांचीड़ा उपजेल में 40 बंदियों से 127 परिजनों ने मुलाकात की। राखी बांधते समय बहनों ने भाइयों से बेहतर जीवन की उम्मीद जताई, वहीं बंदियों के लिए यह मुलाकात भावनात्मक सहारा बनी।

नोटिस के बाद भड़के सफाईकमी, बोले- अब नपाध्यक्ष और सीएमओ खुद संभालें शहर की सफाई

अखंड भारत संदेश

शिवपुरी। नगर पालिका शिवपुरी की सफाई व्यवस्था को लेकर कमचारियों और नगर पालिका प्रशासन के बीच विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। 25 अगस्त से कामबंद हड़ताल कर रहे सफाईकर्मियों को शुक्रवार देर रात नोटिस जारी किए जाने के बाद शनिवार को कमचारियों ने प्रेस वाता कर नगर पालिका प्रशासन पर दबाव बनाने का आरोप लगाया। कमचारियों ने कहा कि मांगों का समाधान करने के बजाय नोटिस देकर हड़ताल खत्म कराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि यदि उन्हें नौकरी से हटाना है तो हटा दिया जाए, अब शहर की सफाई की जिम्मेदारी नपाध्यक्ष और सीएमओ संभालें। सफाईकर्मियों के अनुसार, हड़ताल खत्म कर काम पर नहीं

25 अगस्त से कामबंद हड़ताल जारी, शहर में जगह-जगह लगे कचरे के ढेर, कमचारियों ने भती, नियमितीकरण और कमचारियों की कमी का उठाया मुद्दा



लौटने पर सीएमओ की ओर से देर रात नोटिस जारी किए गए। शनिवार सुबह इसकी जानकारी मिलने के बाद कमचारियों ने प्रेस वाता कर अपना पक्ष रखा। उनका कहना था कि वे

लंबे समय से नियमितीकरण, विनियमितीकरण और कमचारियों की कमी दूर करने जैसी मांगें उठा रहे हैं, लेकिन अब तक ठोस समाधान नहीं हुआ है। कमचारियों ने आरोप लगाया

कि नगर पालिका में पहले सफाईकर्मियों की भती होती रही है, लेकिन मौजूदा समय में कमचारियों की संख्या लगातार कम हो रही है। उनके मुताबिक, वर्तमान परिपद के दौरान करीब 60 कमचारी हटाए गए, जबकि लगभग 40 सफाईकर्मियों की मृत्यु हो चुकी है। इसके बावजूद खाली पदों पर नई भती नहीं की गई। इससे मौजूदा कमचारियों पर काम का दबाव बढ़ गया है। कमचारियों का दावा है कि प्रदेश के दूसरे नगरीय निकायों में सफाईकर्मियों की भती की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन शिवपुरी में इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई। उनका कहना है कि कमचारियों की संख्या घटने के बावजूद सफाई का दायरा बढ़ रहा है, जिससे व्यवस्था प्रभावित होना स्वाभाविक है। हड़ताल के कारण शहर के बाजारों, कॉलोनियों और गली-मोहल्लों में

जगह-जगह कचरे के ढेर दिखाई दे रहे हैं। बारिश के दौरान गीला कचरा जमीन पर दबा रहा, लेकिन मौसम खुलने के बाद इसके सूखने से दुर्गंध के साथ धूल और कचरा उड़ने की समस्या बढ़ सकती है। इससे लोगों को परेशानी के साथ स्वास्थ्य संबंधी खतरे की भी आशंका है। कमचारियों ने कहा कि नोटिस जारी करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। नगर पालिका प्रशासन को कमचारियों की मांगों पर बातचीत कर रास्ता निकालना चाहिए। वहीं, हड़ताल लंबी खिंचने से शहर की सफाई व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है और इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। अब देखा जा रहा है कि नगर पालिका प्रशासन और सफाईकर्मियों के बीच चल रहा गतिरोध कब खत्म होता है और शहर की सफाई व्यवस्था पटरी पर लौटती है।

अखंड भारत संदेश

शिवपुरी। सुरवाया थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह खेत में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के शरीर पर गहरे चोट के निशान मिलने के बाद पुलिस ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि युवक की हत्या किसी दूसरे स्थान पर करने के बाद शव को खेत में लाकर फेंका गया। शुक्रवार सुबह सुरवाया थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम करई डांडा स्थित शराब गोदाम के पीछे खेत में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रियंका पाराशर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाने के बाद शव का पंचनामा तैयार कराया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए पीएम हाउस भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र करीब 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। उसके शरीर पर गहरे चोट के निशान पाए गए हैं। इन्हीं परिस्थितियों के आधार पर पुलिस प्रथम हटया धारदार हथियार से हमला किए जाने की आशंका जता रही है। हालांकि मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

हत्या कहीं और, शव खेत में फेंकने की भी आशंका
:घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए पुलिस केवल खेत में हुई वारदात के एंगल तक सीमित नहीं है। जांच में यह संभावना भी शामिल की गई है कि युवक की हत्या किसी अन्य



स्थान पर की गई हो और पहचान छिपाने या साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को करई डांडा के खेत में लाकर फेंका गया हो। पुलिस इस दिशा में भी सुराग तलाश रही है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने मृतक के हुलिये और उपलब्ध जानकारी को आसपास के गांवों तथा अन्य थाना क्षेत्रों में भेजा है। साथ ही आसपास के इलाकों में हाल ही में दर्ज हुई गुमशुदगी की रिपोर्टों की जानकारी भी जुटाई जा रही है, ताकि मृतक की पहचान सुनिश्चित की जा सके। पुलिस घटनास्थल के आसपास मिले साक्ष्यों के आधार पर हत्या से जुड़े सुराग तलाश रही है। मृतक की पहचान होने के बाद जांच को आगे बढ़ाने में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। थाना प्रभारी प्रियंका पाराशर ने बताया कि फिलहाल मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पहचान होने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह तथा घटना से जुड़े अन्य तथ्यों का पता चल सकेगा।

करैरा में गोवंश पर लंपी का खतरा, आधा दर्जन पशु संक्रमित मिलने से बढ़ी चिंता

अखंड भारत संदेश

शिवपुरी। करैरा अनुविभाग क्षेत्र में गोवंश में लंपी रिकन डिजीज के मामले सामने आने से पशुपालकों की चिंता बढ़ गई है। क्षेत्र के कई गांवों में गावों में बीमारी के लक्षण पाए जाने की जानकारी है। पशुपालकों का आरोप है कि करैरा और दिनारा के पशु अस्पतालों में बीमारी से बचाव के लिए टीके पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में समय पर टीकाकरण नहीं होने से संक्रमण के दूसरे पशुओं तक पहुंचने का खतरा बना हुआ है। टकटकी गांव निवासी किसान लखन सिंह लोधी ने बताया कि उनकी गाय लंपी की चपेट में है। बीमारी के बाद गाय ने खाना-पीना कम कर दिया है और दूध देना भी बंद कर दिया है। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। क्षेत्र के अन्य पशुपालकों ने भी पशु अस्पतालों में टीकों की उपलब्धता को लेकर चिंता जताई है। करैरा पशु चिकित्सालय के चिकित्सक अरविंद नरवरिया के अनुसार



क्षेत्र में अब तक करीब छह मामले सामने आए हैं। संक्रमित पशुओं का उपचार किया जा रहा है और उनके टीकाकरण की प्रक्रिया भी की जा रही है। पशुओं की निगरानी कर संक्रमण को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

लंपी रिकन डिजीज गोवंश में होने वाली संक्रामक बीमारी है। संक्रमित पशु के शरीर पर गांठें और घाव होने के साथ बुखार, खाना-पीना कम करना और दूध उत्पादन घटने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। बीमारी मच्छर, मक्खी और टिक जैसे खून चूसने वाले कीटों के माध्यम से फैल सकती है। पशु चिकित्सकों ने पशुपालकों को सलाह दी है कि किसी पशु में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर उसे तुरंत स्वस्थ पशुओं से अलग कर दें। पशुशाला की साफ-सफाई रखने और मच्छर-मक्खियों की रोकथाम पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। समय पर उपचार और टीकाकरण से संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद मिल सकती है।

अखंड भारत संदेश

शिवपुरी। शहर की प्रमुख सड़कों में शामिल मेडिकल कॉलेज के सामने पाम पार्क के पास की सड़क इन दिनों बदहाली का शिकार है। बारिश के बाद सड़क पर पानी भरने से जगह-जगह बने गहरे गड्ढे दिखाई नहीं देते। ऐसे में यहां से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालकों के लिए हादसे का खतरा बढ़ गया है। सड़क का डामर कई स्थानों से उखड़ चुका है और जलभराव के कारण स्थिति और खराब हो गई है। पाम पार्क के सामने सड़क पर जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बारिश का पानी काफी देर तक जमा रहता है। पानी के नीचे गड्ढे छिप जाने से वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं लग पाता। अचानक पहिया गड्ढे में जाने से वाहन अनियंत्रित होने और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।



स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की मरम्मत और जल निकासी की व्यवस्था को लेकर जिम्मेदार विभाग को जल्द कदम उठाना चाहिए। इसी स्थान पर राजमाता सिंधिया की प्रतिमा का स्थापित है। शहर के महत्वपूर्ण स्थल के सामने सड़क की बदहाल स्थिति नगर की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं, बावजूद इसके सड़क की मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वहीं, 31 अगस्त को केंद्रीय मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया का शिवपुरी दौरा प्रस्तावित है। उनके इसी मार्ग से गुजरने की संभावना के बीच अब लोगों

की नजर प्रशासन की कारवाई पर है। सवाल यह है कि आम लोगों की परेशानी के बावजूद जिस सड़क की मरम्मत नहीं हुई, क्या अब वीआईपी दौरे से पहले जिम्मेदारों की नजर इस पर पड़ेगी। फिलहाल सड़क पर जमा पानी और गड्ढे राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं।

मंदाकिनी में उफान

135 फीट के पार पहुंचा जलस्तर

रामघाट पर हाई अलर्ट

खतरे के निशान से नौ फीट ऊपर नदी, नाव से रेस्क्यू व ड्रोन से की जा रही निगरानी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। धर्मनगरी में हुई भारी बारिश के बाद मंदाकिनी नदी ने शनिवार को रौद्र रूप धारण कर लिया। रामघाट पर नदी का खतरे का निशान 126 फीट है, जबकि जलस्तर 135 फीट से ऊपर पहुंच गया। तेज बहाव के कारण रामघाट, निमोही अखाड़ा और आसपास के इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई। बीच नदी में स्थित मतगजेंद्रनाथ मंदिर समेत आसपास के मंदिरों और मकानों में फंसे लोगों को नाव और मोटरबोट की मदद से सुरक्षित निकाला गया। तेज धारा के कारण राहत एवं बचाव कार्य में भी कठिनाई का सामना करना पड़ा।

प्रशासन ने मंदाकिनी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए मारकुंडी से मानिकपुर और थाना कर्वी क्षेत्र में नदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी कर दिया। सुबह से ही ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। विस्थापित लोगों के लिए भोजन और लंच पैकेट की व्यवस्था कराई गई है। मण्डलायुक्त अजीत कुमार, पुलिस उपमहानिरीक्षक राजेश एस, जिलाधिकारी पुलकित गर्ग व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर नुकसान का जायजा लिया। मौके पर सीडीओ, एडीएम और एसडीएम समेत प्रशासनिक टीम मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। प्रशासन के मुताबिक वर्तमान बाढ़ का जलस्तर वर्ष 2003 और पिछले वर्ष आई बाढ़ के स्तर से भी अधिक है। हालांकि जिले में बारिश रुक गई है, लेकिन मध्य प्रदेश के जलग्रहण



बाढ़ पीड़ितों की मदद में जुटा सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, बांटे लंच पैकेट

चित्रकूट। मंदाकिनी नदी में आई भीषण बाढ़ से चित्रकूट में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बाढ़ का पानी घरों, मठ-मंदिरों और बस्तियों में घुसने से लोगों की गृहस्थी जलमग्न हो गई। बाढ़ के भयावह मंजर से लोगों में दहशत का माहौल है। जिला प्रशासन के साथ सामाजिक संस्थाओं ने भी राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है। इसी क्रम में श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, जानकीकुंड ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए राहत कार्य शुरू किया। ट्रस्ट की ओर से करीब एक हजार लंच पैकेट वितरित किए गए। बाढ़ प्रभावित लोगों तक भोजन पहुंचाने के साथ स्वास्थ्य संबंधी सहायता उपलब्ध कराने की भी तैयारी की जा रही है। सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं निदेशक डॉ. इलेश जैन ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में ट्रस्ट जिला प्रशासन के साथ पूरी तरह मुस्तेद है। बाढ़ प्रभावित परिवारों को भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य संबंधी हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में समाज के



सभी सक्षम लोगों और संस्थाओं को आगे आकर जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों में प्रशासन और सामाजिक

बिगड़ते कर्मों से धरती और देवी-देवता दुखी : बाबा उमाकान्त

चित्रकूट। धर्मनगरी में चल रहे सत्संग कार्यक्रम में शनिवार को संत बाबा उमाकान्त महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में लोगों के कर्म लगातार खराब होते जा रहे हैं, जिससे धरती और देवी-देवता भी दुखी हैं। उन्होंने कहा कि जीवों की हत्या और धरती पर बह रहे रक्त से पाप बढ़ रहा है। मनुष्य को अपने कर्मों पर विचार कर जीवों के प्रति दया और सद्भाव अपनाना चाहिए।

बाबा उमाकान्त महाराज ने कहा कि समर्थ गुरु द्वारा नामदान के समय दिया जाने वाला ह्यनामह अनमोल है। इसकी कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती। उन्होंने बताया कि संतों के धरती पर आने का उद्देश्य जीवों को सही मार्ग दिखाना और उन्हें आध्यात्मिक साधना से जोड़ना है। उनके अनुसार नाम शब्दरूप में भीतर सुनाई देता है और साधक इसी आंतरिक शब्द के माध्यम से आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि जब धरती पर पाप बढ़ता है तो प्रकृति के माध्यम से चेतावनी भी मिलती है। भूकंप में पहाड़ों का खिसकना और धरती का हिलना इसी तरह की प्राकृतिक चेतावनी के रूप में देखा जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपने आचरण पर विचार करने, पाप कर्मों से बचने और सद्गर्ग अपनाने का आह्वान किया। बाबा ने कहा कि जीवों के प्रति करुणा और अच्छे कर्मों से ही समाज में शांति और संतुलन स्थापित किया जा सकता है।

भारी वर्षा से ग्रामोदय में पीएचडी साक्षात्कार स्थगित

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में पीएचडी प्रवेश के लिए 2 व 3 सितंबर को प्रस्तावित साक्षात्कार भारी वर्षा के कारण स्थगित कर दिए गए हैं। कुलसचिव प्रो. आञ्जनेय पांडेय ने बताया कि प्रवेश परीक्षा एवं नेट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के साक्षात्कार की नई तिथि बाद में विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर घोषित की जाएगी। उन्होंने अभ्यर्थियों से नवीन साक्षात्कार कार्यक्रम और आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट का नियमित अवलोकन करने की अपील की है।

ग्रामोदय में खेल गतिविधियों के माध्यम से मेजर ध्यानचंद को किया गया नमन



अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राष्ट्रीय खेल दिवस पर महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिसर में हॉकी के भूमिका निभाई। इससे पहले 28 अगस्त को स्थानीय ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता कराई गई थी, जिसमें प्रांश सिंह (गुड्डू) ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले 30 अगस्त को होगी। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न

खेल गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। शुक्रवार को विश्वविद्यालय फुटबॉल टीम और अन्य टीम के बीच मैत्री फुटबॉल मैच हुआ। इसमें अनीस कुमार तिवारी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इससे पहले 28 अगस्त को स्थानीय ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता कराई गई थी, जिसमें प्रांश सिंह (गुड्डू) ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले 30 अगस्त को होगी। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न

कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल और रचनात्मक गतिविधियों को भी लगातार प्रोत्साहित करेगा। कार्यक्रम में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के अधिष्ठाता इंजी. अश्विनी दुग्गल, डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव, खेल इकाई प्रभारी डॉ. विनोद कुमार सिंह, अधिकारी, कर्मचारी और खिलाड़ी मौजूद रहे।

डायट में प्रधानाध्यापकों का तीन दिवसीय नेतृत्व और प्रबंधन प्रशिक्षण शुरू

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) शिवरामपुर में प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए ह्रस्वक्षम मांड्यूल आधारित हेड मास्टर प्रशिक्षण एवं मेंटल वेलनेस कार्यक्रमह के द्वितीय चरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। शुभारंभ डायट प्राचार्य बीके शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। प्राचार्य बीके शर्मा ने कहा कि प्रधानाध्यापक प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान और कौशल का विद्यालयों में प्रभावी उपयोग करें। इससे शैक्षिक गुणवत्ता के साथ विद्यालयों में सकारात्मक वातावरण विकसित होगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रधानाध्यापकों की शैक्षिक



एवं प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक समन्वय और प्रभावी संचालन से जुड़े विषयों

जिम्मेदारियों, अंतरविभागीय समन्वय, पीएम पोषण योजना, प्री-प्राइमरी शिक्षा, उपलब्ध संसाधनों के उपयोग तथा सामुदायिक सहभागिता पर चर्चा हुई। साथ ही टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर जोर दिया गया। दूसरे दिन विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन, विद्यालय प्रबंधन, हितधारकों से समन्वय और समस्याओं के समाधान से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण होगा। तीसरे दिन तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, समस्या समाधान, मानसिक स्वास्थ्य और मेंटल वेलनेस पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रशिक्षण प्रभारी अखिलेश कुमार पाण्डेय, प्रवक्ता राजेश उपाध्याय सहित अन्य प्रशिक्षक प्रधानाध्यापकों का मार्गदर्शन कर रहे हैं।



में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। शनिवार को अब तक लगभग 50 लोगों को बाढ़ के पानी से सुरक्षित निकालकर सुरक्षित स्थानों पर

कर रही हैं। SDRF अधिकारियों के अनुसार, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए टीमें पूरी तरह तैयार हैं। प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों की सूचना मिलते ही तत्काल रेस्क्यू टीम भेजी जा रही है। जवान जलस्तर और मौजूदा परिस्थितियों पर लगातार नजर रखते हुए राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। SDRF के सेनानायक के निर्देशन में पूरे अभियान की लगातार निगरानी की जा रही है और टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जब तक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की आवश्यकता होगी, तब तक राहत एवं बचाव अभियान जारी रहेगा।

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान



ललित गर्ग

आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण-केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एनए। ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रायोगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई की दशार्ता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी



क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉस्मॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। वाइ, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे

चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएँ, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष सर्वधन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं। भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि

सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ-साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान, प्रक्षेपण तकनीक, उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। सरकार का काम रास्ता खोलना है, वैज्ञानिक संस्थानों का काम ज्ञान और अनुभव उपलब्ध कराना है और निजी क्षेत्र का काम गति, नवाचार और बाजार की शक्ति को आगे बढ़ाना है। इन तीनों का समन्वय भारत को नई ऊंचाई दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान कि भारत ऐसा वातावरण बनाए जहां दुनिया भर के युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए यहां आने की सोचें, वास्तव में प्रतिभा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की नई आकांक्षा को व्यक्त करता है। यह केवल रॉकेटों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य नहीं है, यह भारत को अंतरिक्ष आधारित ज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने की कल्पना है। आने वाले समय में अंतरिक्ष में भारत की सफलता का मूल्यांकन केवल कितने उपग्रह भेजे गए या कितने रॉकेट छोड़े गए, इससे नहीं होगा। असली कसौटी यह होगी कि अंतरिक्ष तकनीक ने भारतीय किसान, विद्यार्थी, उद्यमी, सैनिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक के जीवन को कितना बेहतर बनाया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि अवसर है। चंद्रयान-3 की चंद्र विजय से लेकर सूर्य की ओर आदित्य-एन। की यात्रा, मंगलयान की ऐतिहासिक सफलता से लेकर मानव को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी और सरकारी संस्थानों से निकलकर निजी स्टार्टअप के प्रक्षेपण तक भारत ने लंबी दूरी तय की है। अब अमला अध्ययन और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

संपादकीय

बीमार हैं स्कूल

देश के सरकारी स्कूलों की बहाली किसी से छिपी नहीं है। जिस देश में एक लाख स्कूल एक ही शिक्षक के भरोसे चल रहे हों, मूलभूत शैक्षिक सुविधाओं का अभाव हो, वहां पढ़ाई का स्तर क्या होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। कुछ स्कूल जर्जर इमारतों में चल रहे हैं, कुछ पेड़ तले व बरामदों में- तो सवाल स्वाभाविक है कि सुधार क्यों नहीं होता? आखिर इन स्कूलों का सुधार हमारे नीति-निर्यताओं की प्राथमिकताओं में क्यों नहीं होता? जिस शिक्षा विभाग में अधिकारियों व कर्मचारियों की पूरी फौज तैनात है, उसकी जवाबदेही तय क्यों नहीं होती? अब भले ही सरकारी स्कूलों को सीजेपी ने अपना मुद्दा बना लिया हो, लेकिन इससे



पहले ही देश के कई भागों में छात्र स्कूलों में सुधार की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे हैं। विडंबना यह है कि इन स्कूलों पर ग्रामीण, समाज के वंचित वर्गों, श्रमिकों व गरीब बच्चों की निर्भरता अधिक होती है, फलतः उनकी आवाज भी अनसुनी कर दी जाती है। यदि नेताओं और अधिकारियों के बच्चों के लिये सरकारी स्कूलों में भर्ती अनिवार्य कर दी जाती तो शायद इन स्कूलों के दिन फिर जाते। सरकारी स्कूलों का सच किसी से छिपा नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े इस सच को अनावृत करते हैं। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक दशक में पूरे देश में 94 हजार सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। साथ ही इसी अवधि में सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूल भी 83 हजार से घटकर 79 हजार रह गये हैं। स्कूलों में छात्रों के दारिद्रेय में कमी का सिलसिला भी बदस्तूर जारी है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुनाफा कमा रहे निजी स्कूलों का कुनवा लगातार बढ़ ही रहा है। उनकी संख्या अब 2.9 लाख से बढ़कर 3.4 लाख के करीब हो गई है। यह एक हकीकत है कि सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर राजनीतिक दलों की जो फिर्क सामने आ रही है, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। इन दलों की सरकारों के दौरान भी इन स्कूलों की दिशा-दशा में कोई बड़ा बदलाव नजर नहीं आया। चिंता इस बात को लेकर है कि इस मुद्दे पर जो राजनीति हो रही है, कहीं उसके चलते सुधार के विमर्श पर आंच न आए। सही मायने में सरकारी स्कूलों का कायाकल्प होना चाहिए। इसमें शासन, प्रशासन, पक्ष-विपक्ष और नागरिकों की भी अहम भूमिका होनी चाहिए। नीति-निर्यताओं को सोचना चाहिए कि अभिभावकों से मोटी फीस लेने वाले निजी स्कूल क्यों फल-फूल रहे हैं? सरकारी स्कूलों के पास भवन हैं, पर्याप्त जगह है, सम्मानजनक पगार वाले शिक्षक हैं और सरकारी तंत्र का समर्थन है, तो ये स्कूल पनप क्यों नहीं रहे हैं? क्यों सरकारी स्कूलों में पानी, बिजली, बेंच, टेबल व शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं? बल्कि सुधारों के बजाय शिक्षकों की नियुक्ति में राजनेताओं की धोधली की खबरें अकसर मीडिया में तेरती रहती हैं। विडंबना देखिये कि पढ़ाई-लिखाई के लिये अनुरूप वातावरण की मांग को लेकर राजस्थान व उत्तर प्रदेश के कई शहरों में विद्यार्थी सड़कों पर उतरे हैं। इन बच्चों को अपने भविष्य की फिर्क थी और ये स्कूलों में गुणवत्ता का शैक्षिक वातावरण मांग रहे थे। निश्चित रूप से हमारे नीति-निर्यताओं ने सरकारी स्कूलों को अंधेरा धिंधा कर दिया है। सरकारी स्कूल हमारे समाज में देश का भला कैसे होगा? दरअसल, सरकारी स्कूल हमारे कर्मजो तो व्यर्थ आर्थिक विषमता का पर्याय हैं। जो लोग अपने बच्चों को महंगे सरकारी स्कूलों में नहीं पढ़ा सकते हैं, वे ही अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजने के लिये मजबूर हैं। लेकिन सोचने वाली बात यह कि मिड-डे-मिल जैसे प्रलोभन से ये सरकारी स्कूल कब तक अपना अस्तित्व बना पाएंगे? कहीं न कहीं इन स्कूलों की अनदेखी करके हम एक बड़ी आबादी को शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित तो नहीं कर रहे हैं?

25 साल बाद ताजखानपुर के तालाब की सफाई शुरू,ग्रामीणों को जलभराव से मिलेगी राहत

सुल्तानपुर। दूबेपुर ब्लॉक की ताजखानपुर ग्रामसभा में करीब 25 साल से बहहाल पड़े तालाब की आखिरकार सुधि ली गई। ग्राम प्रधान सरवर खान की पहल पर तालाब की सफाई का अभियान शुरू कराया गया है। लंबे समय से गंदगी और कचरे से पटा तालाब अब साफ होने लगा है। सफाई शुरू होने से जलभराव की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों में खुशी है। ग्रामसभा के बीचोंबीच स्थित इस तालाब से गांव के घरों के पानी की निकासी जुड़ी हुई थी। करीब ढाई दशक

से सफाई नहीं होने के कारण तालाब कचरे और गंदगी से पट गया। धीरे-धीरे जलनिकासी का रास्ता भी बंद हो गया। इसका सबसे ज्यादा असर बारिश के दिनों में देखने को मिलता था। ग्रामीणों के मुताबिक बारिश होते ही गांव के रास्तों पर पानी भर जाता था। जलनिकासी नहीं होने के कारण कई बार पानी घरों तक पहुंच जाता था। लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ती थी। जलभराव के कारण ग्रामीणों को लंबे समय से समस्या का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों की

समस्या को देखते हुए ग्राम प्रधान सरवर खान ने तालाब की सफाई कराने की पहल की। इसके बाद मजदूरों की टीम तालाब में उतारी गई और कचरा व गंदगी हटाने का काम शुरू कर दिया गया। सफाई अभियान शुरू होते ही ग्रामीणों में उम्मीद जगी है कि अब बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से काफी हद तक निजात मिलेगी। ग्रामीणों ने तालाब की सफाई शुरू कराने के लिए ग्राम प्रधान की पहल की सराहना की। उनका कहना है कि यदि तालाब की नियमित सफाई होती रहे और



जलनिकासी के रास्तों को भी दुरुस्त रखा जाए तो गांव में बरसात के दिनों में होने वाली परेशानी काफी कम हो सकती है। तालाब की सफाई पूरी होने के बाद न केवल जलनिकासी व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है, बल्कि गांव के बीचोंबीच लंबे समय से पसरी गंदगी से भी राहत मिलेगी। ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन और ग्राम पंचायत तालाब की सफाई के बाद इसके संरक्षण और नियमित देखरेख की भी व्यवस्था करेगी, ताकि दोबारा ऐसी स्थिति न बने।

भदहरा बाजार के पास सड़क की पटरियों पर

गड़े, हादसे का बड़ा खतरा

सुल्तानपुर-कुड़वार मार्ग पर भदहरा बाजार के पास सड़क किनारे पटरियों पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। सड़क के किनारे बनी पटरी क्षतिग्रस्त होने से वाहन चालकों और राहगीरों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क किनारे उगी घनी झाड़ियों के कारण भी आवागमन में परेशानी हो



योगेश कुमार गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्ये में एग्नेस गोंझा बायोन्यू के रूप में जन्मी इस नहीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थीं, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मुर्त बना पाया। 18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू



लापरवाह बना हुआ है। समय रहते यदि सड़क की पटरियों की मरम्मत और झाड़ियों की सफाई नहीं कराई गई तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

मदर टेरेसा: गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थीं किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ। कलकत्ता की झुगियां और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थीं, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।' उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुछ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों

के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही। उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंचीं, जिसे प्रायः शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब सच्चे विश्व ने उन्हें खोने का दुःख अनुभव किया। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया के अनेक देशों के नेता उपस्थित हुए और भारत ने उन्हें

राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' उसी निष्ठा से मानवता की सेवा में कार्यरत है। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत की उपाधि प्रदान की, जिससे उनका जीवन एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन गया। मदर टेरेसा का जीवन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वास्तविक महानता किसी पद, संपत्ति या शक्ति में नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा और करुणा में निहित है। उन्होंने यह साबित किया कि जब तक हम दूसरों के दुःख को अपना नहीं मानते, तब तक जीवन का सही अर्थ अचूरा रहता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता और स्वार्थ की चोट में है, तब मदर टेरेसा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने सिखाया कि प्रेम और करुणा ही वह शक्ति है, जो मानवता को जोड़ सकती है। उन्होंने धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे जाकर यह बताया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। मदर टेरेसा की जयंती का अवसर केवल स्मरण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, जो हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में कितना समय और कितनी संवेदनशीलता समाज के जरूरतमंदों के लिए समर्पित करते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंदों के लिए थोड़ा-सा भी प्रयास करे तो समाज में फैली असमानता और पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती है। मदर टेरेसा का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा धर्म केवल मानव सेवा है और सच्ची पूजा केवल करुणा है।